www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 121 || अम्बेडकरनगर
बुधवार
22 जुलाई 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:25
सूर्यास्तः 07:00
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 27°00

पेज 07

विशेष समाचार | कॉकरोच जनता पार्टी के ... >> पेज 04 | बर्थडे बॉय ने माता-पिता को... >> पेज 06 | बाथटब में दिखा तारा ...

पीएम आवास पर हाईवोल्टेज ड्रामा, राहुल प्रियंका समेत कई नेता हिरासत में सोनिया थाने पहुंचीं

पीएम आवास पर कांग्रेस का हल्ला

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । पीएम आवास के पास मंगलवार दोपहर साढ़े तीन बजे धरने पर बैठे कांग्रेसियों को पुलिस शाम साढ़े 6 बजे उठाकर ले गई। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव समेत कई नेता को हिरासत में ले लिया है।

सरकार ने 3 घंटे के धरने में राहुल से 2 बार बातचीत की, लेकिन वे नहीं मांगे। इसके बाद 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी पहुंचे तो कांग्रेसियों ने घेरा बना लिया और राहुल तक पहुंचने नहीं दिया।

राहुल गांधी प्रदर्शन के दौरान हाथ बांधे नजर आए। पुलिस अधिकारी भी उन्हें धरना खत्म करने के लिए समझाते दिखे।

दिल्ली के लोक कल्याण मार्ग पर प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दी जाती है। यह संवेदनशील और वीवीआईपी क्षेत्र है। यहां भारत के प्रधानमंत्री का आवास है।

>> (शेष पेज 06 पर)

शिक्षा मंत्री प्रधान को हटाने की मांग

रात 9:30 से 10:00 के बीच सभी नेताओं को किया रिहा

पुलिस और पैरा मिलेट्री के जवान राहुल गांधी को हाथ-पैर पकड़कर उठाकर ले गए।

जितेंद्र सिंह और राहुल के बीच 20 मिनट बात

पीएम आवास के पास से हटाने के लिए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और गृह सचिव गोविंद मोहन पहुंचे थे। राहुल गांधी से करीब 20 मिनट बात की। इसके बाद जितेंद्र सिंह गृह मंत्री अमित शाह के पास गए। शाह से बातचीत के बाद उन्होंने फिर राहुल से बात की। सोशल मीडिया पोस्ट में जितेंद्र सिंह ने बताया कि राहुल गांधी की मांग थी कि NEET पर संसद में चर्चा हो। राहुल की यह मांग मान ली गई थी। लेकिन राहुल अपनी बात से मुकर गए। वह बोले- अब हमारी दो मांगे हैं। पहली- NEET पर संसद में चर्चा, दूसरी शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा।

धरनास्थल पर लगे पीएम और गृहमंत्री इस्तीफा दो के नारे

धरनास्थल पर कांग्रेस कार्यकर्ता पीएम और गृहमंत्री इस्तीफा दो के नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शन के बीच यहां पुलिस ने पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी और कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। कांग्रेस का यह प्रदर्शन बेहद सीक्रेट रहा। राहुल समेत सभी नेता कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के घर से पीएम आवास तक पैदल मार्च करके पहुंचे। जब ये लोग 100 मीटर दूर थे तब मीडिया को जानकारी दी गई।

कांग्रेसियों और पुलिस के बीच आधे घंटे तक धक्का-मुक्की होती रही। पुलिस ने लाठीचार्ज किया। आखिर में 12 से ज्यादा पुलिसकर्मी उन्हें उठाकर ले गए और बस में बैठाया।

> संसद में हंगामे के बाद राज्यसभा की कार्यवाही दूसरी बार स्थगित कर दी गई है। इससे पहले 11 बजे भी कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया था।

INDIA गठबंधन के सांसदों की बैठक

खड़गे बोले- मेरा माइक बंद किया गया

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा,'हमने संसद में अन्याय, उत्पीड़न और बनाए जा रहे दबाव के मुद्दे को उठाने का समय मांगा था। लेकिन जैसे ही मैंने बोलना शुरू किया, मेरा माइक बंद कर दिया गया।'

कंगना बोलीं- सभी सांसद प्रदर्शनकारियों से डरे हुए हैं

बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने कल संसद के बाहर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को लेकर कहा कि उस दौरान सभी सांसद संसद के अंदर ही मौजूद थे और भीड़ के हमले के डर से काफी डरे हुए थे।

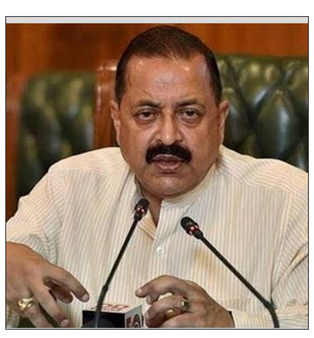

> केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने पोस्ट करके कहा- राहुल की मांग थी कि संसद में नीट पर चर्चा हो। सरकार ने उनकी बात मान ली तो वह अपनी बात से मुकर गए। उन्होंने कहा- अब हमारी दो मांगे हैं। नीट पर चर्चा के साथ शिक्षा मंत्री का इस्तीफा भी चाहिए।

धरने पर बैठे चंद्रशेखर आज़ाद से मिलने पहुंचे असदुद्दीन ओवैसी

यूपी के सांसद चंद्रशेखर आजाद कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन-कारियों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में धरने पर बैठे हैं। वह संसद के बाहर अंबेडकर प्रतिमा के नीचे सोमवार देर रात से बैठे हैं। मंगलवार दोपहर चंद्रशेखर से मिलने AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी पहुंचे और उनसे बातचीत की। कहा- हम आपके साथ हैं। इस पर चंद्रशेखर ने कहा- सरकार अन्याय कर रही है। यह हमें स्वीकार नहीं है।

छात्रों पर लाठीचार्ज लोकतंत्र पर हमला : अखिलेश यादव

छात्रों पर बल प्रयोग को बताया अलोकतांत्रिक

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर छात्रों और युवाओं के साथ दमनात्मक रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। मंगलवार को संसद परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों पर लाठीचार्ज करा रही है, आंसू गैस के गोले दाग रही है और उनके साथ बर्बरतापूर्ण व्यवहार कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यही सबका साथ, सबका विकास और विकसित भारत का लक्ष्य है। अखिलेश यादव ने कहा कि

युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रही भाजपा : अखिलेश

आजाद भारत में किसी सरकार द्वारा छात्रों के साथ इस तरह का व्यवहार स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने दावा किया कि आंदोलन के दौरान कई छात्रों के सिर फूटे, हाथ-पैर टूटे और गंभीर चोटें आईं।

>> (शेष पेज 06 पर)

राम-मंदिर चढ़ावा चोरी: योगी ने नई एसआईटी को मंजूरी दी

आईएएस की जगह 2 आईपीएस होंगे शामिल

आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में आज संसद भवन में हंगामे के आसार हैं। वहीं कल यानी 22 जुलाई को होने वाली ट्रस्ट की बैठक में सदस्यों की कमी पर विचार किया जाएगा। SIT की अंतिम रिपोर्ट पर चर्चा होगी। सीईओ तैनाती समेत विभिन्न मुद्दों पर बात की जाएगी। वहीं सोमवार को राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा SIT बनाने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत ने कहा- नए सिरे से SIT बनाई जाए।

ट्रस्ट की बैठक में 3 सदस्यों पर चर्चा होगी

सीनियर IPS अधिकारी टीम की अगुआई करें, ताकि जांच किसी निर्णायक स्तर तक पहुंचे।

कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल (SG) तुषार मेहता को यूपी सरकार से SIT के लिए नाम लेकर आने को कहा।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

हूती विद्रोहियों की धमकी

तेल अवीव। सऊदी अरब का कच्चा तेल लेकर भारत और चीन जा रहे दो तेल टैंकरों ने मंगलवार को रेड सी (लाल सागर) में यू-टर्न लेकर अपना रास्ता बदल लिया। दोनों जहाज बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों की धमकी के बाद वापस स्वेज नहर की ओर मुड़ गए।

आंदोलन फैसला

किसानों का दिल्ली कूच स्थगित

अंबाला/कुरुक्षेत्र/सोनीपत। अमेरिका-भारत फ्री ट्रेड डील के विरोध में पंजाब और हरियाणा के किसानों ने मंगलवार का प्रस्तावित दिल्ली कूच और किसान घाट महापंचायत फिलहाल स्थगित कर दी। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर पुलिस की सख्ती तथा हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के साथ हुई बैठक के बाद किसान लौट गए, जिससे दोनों बॉर्डरों पर ट्रैफिक भी सामान्य हो गया। भारतीय किसान यूनियन ने बताया कि रिहाई और केंद्र सरकार से वार्ता कराने पर सहमति बनने के बाद आंदोलन स्थगित करने का फैसला लिया गया।

सीएम हाउस, स्कूलों और पासपोर्ट ऑफिस को उड़ाने की धमकी

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री आवास और सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ये धमकी ईमेल के जरिए दी गई है। ईमेल में दोनों जगहों पर बम ब्लास्ट किए जाने की टाइमिंग का भी जिक्र किया गया है। धमकी देने वाले ने लिखा है कि 21 जुलाई दोपहर 3:11 बजे सबसे पहले पटना सचिवालय में बम का धमाका होगा।

'सारे चोर भाजपा में चले गए मुंह खोलूं तो मुखौटा उतार दूंगी'

ममता शहीद दिवस रैली में बागियों पर जमकर बरसी

कटाक्ष

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता । तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) चीफ ममता बनर्जी मंगलवार को कोलकाता में आयोजित शहीद दिवस रैली में बागियों पर जमकर बरसीं। उन्होंने कहा- सारे चोर मुझे छोड़कर बीजेपी में चले गए। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने TMC के चुनाव चिह्न पर जीत हासिल की और फिर मेरी पीठ पर खंजर घोंप दिया। मैं इन लोगों को अपनी पार्टी में कभी वापस नहीं लूंगी। अपने संबोधन में ममता बनर्जी ने BJP नेता और राज्य के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी पर राज्य की मशीनरी का इस्तेमाल कर

भाजपा का समर्थन करना चाहते हैं, तो भाजपा में जाइए

TMC को कमजोर करने का आरोप लगाया। अपने पूर्व सहयोगी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा-अगर मैं मुंह खोलूं तो बता दूंगी कि तृणमूल में 10 साल के दौरान आपने क्या-क्या किया। मैं आपका मुखौटा उतार दूंगी और 10 साल के कार्यकाल की पूरी सच्चाई सामने आ जाएगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

कॉकरोच पार्टी प्रमुख बोले-बात करना है तो सरकार खुद आए, संसद मार्च में बर्गर खाने वाले प्रवक्ता को हटाया

बातचीत खत्म, अब सरकार जंतर-मंतर आए : अभिजीत

सरकार पर बरसे अभिजीत, आंदोलन होगा और तेज

> सीजेपी ने ऐलान किया है कि अगर पुलिस ने हिरासत में लिए गए लोगों को तुरंत नहीं छोड़ा तो वे जंतर-मंतर से पुलिस हेडक्वॉर्टर तक एक मार्च निकालेंगे। रात 8 बजे सभी लोग वहां धरना देंगे।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन

जारी है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अभिजीत दीपके ने कहा कि हमारे प्रतिनिधिमंडल को बुलाकर सरकार ने समय बर्बाद किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके मोबाइल जब्त कर लिए। दोनों एक तरह से जेपी नड्डा के घर नजरबंद थे। इसलिए अब वे सरकार से

वांगचुक मेदांता हॉस्पिटल शिफ्ट

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए थे। इन्हें पुलिस ने चेतावनी दी।

बात करने नहीं जाएंगे। सरकार को ही जंतर-मंतर पर आना होगा। उधर, दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद सोनम वांगचुक को सफदरगंज से गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल शिफ्ट कर दिया गया है। CJP ने संसद मार्च के दौरान बर्गर खाने वाले

सीजेपी बोली- हिरासत में लिए गए सभी लोग रिहा, पुलिस हेडक्वॉर्टर पर धरना खत्म

कॉकरोच जनता पार्टी के सदस्य सौरव दास ने X पर अपडेट दिया है कि उन्हें उनके वकीलों ने बताया है कि सभी हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा कर दिया गया है। इसलिए दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर चल रहा धरना खत्म किया जा रहा है। इसलिए हम सभी से शांति बनाए रखने की अपील करते हैं।

विजेता दाहिया को प्रवक्ता पद से हटा दिया है। दाहिया ने एक वीडियो जारी करके सफाई दी है कि आप मुझे ऐसे जिम्मेदार ठहरा रहे हैं जैसे कि प्रदर्श-नकारी होना मेरा काम हो। आपने मुझे इस पद के लिए नहीं चुना है।

>> (शेष पेज 06 पर)

निर्णय : योगी कैबिनेट का मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर फैसला, चार नए एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट्स को मिली मंजूरी

योगी सरकार का अग्निशमन-आपात सेवा पर जोर

25.78 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को कैबिनेट में मंजूरी

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बैठक में प्रदेश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क को नई मजबूती देने वाले चार महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दे दी गई। कैबिनेट ने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे को पूर्वांचल एवं गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाली दो लिंक एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के लिए संशोधित एवं अंतिम रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) को मंजूरी देने के साथ ही विंध्य एक्सप्रेसवे और विंध्य-पूर्वांचल स्पर लिंक के अलाइनमेंट को भी स्वीकृति प्रदान कर दी।

>> (शेष पेज 06 पर)

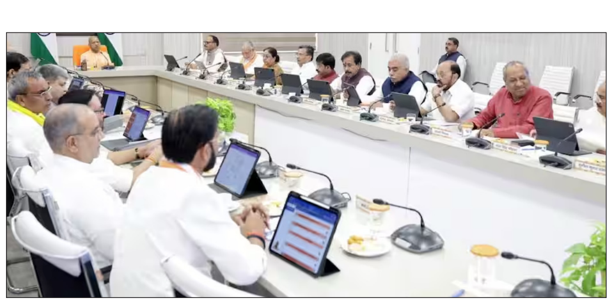

> आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे तक 50.98 किलोमीटर लंबे छह लेन (भविष्य में आठ लेन विस्तारणीय) ग्रीनफील्ड लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण ईपीसी मॉडल पर किया जाएगा। इस परियोजना की अनुमानित लागत 4,775.84 करोड़ रुपए है।

आधुनिक फायर टेंडरों की आवश्यकता के मद्देनजर लिया निर्णय

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रदेश के तंग मोहल्लों, भीड़भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों, कस्बों, औद्योगिक इकाइयों, पेट्रोलियम एवं गैस प्रतिष्ठानों, रासायनिक इकाइयों, एयरपोर्ट, हेलीपैड तथा पेंट और अन्य ज्वलनशील तरल पदार्थों के गोदामों में आग बुझाने के लिए आधुनिक फायर टेंडरों की आवश्यकता को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

आग लगने की घटनाओं पर त्वरित नियंत्रण पाना है उद्देश्य

दरअसल यह निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि योजना के तहत नई मांग के सापेक्ष 5 वाटर टेंडर (2500 लीटर क्षमता) का निर्माण कराया जाएगा. इसके अलावा निष्प्रयोज्य के सापेक्ष 39 वाटर टेंडर (2500 लीटर क्षमता) तथा 5 फोम टेंडर (5000+500 लीटर क्षमता) का निर्माण एवं क्रय किया जाएगा. सबसे से महत्वपूर्ण बात यह कि इन सभी वाहनों में चेसिस, हाई प्रेशर पंप, फैब्रिकेशन और आवश्यक एसेसरीज शामिल होंगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

सिक्किम की निर्माणाधीन टनल पर हुआ लैंडस्लाइड

10 मजदूरों की मौत, 17 अब भी फंसे

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

गंगटोक। सिक्किम में सोमवार को एक टनल पर लैंडस्लाइड होने से उसका एंट्री गेट बंद हो गया, जिससे अंदर मौजूद 27 मजदूर फंस गए। इनमें से 10 की मौत हो गई। मृतकों में 3 की पहचान अभी नहीं हो पाई है, जबकि 17 मजदूर अब भी फंसे हैं। नामची जिले के मामरिंग स्थित समरदुंग सुरंग में निर्माण कार्य चल रहा था। एसपी सोनम डोल्मा ने बताया कि फंसे हुए मजदूरों की संख्या 27 से कम या ज्यादा भी हो सकती है। सुरंग में मीथेन गैस लीक होने की आशंका है। कई बचावक-र्मियों को अंदर जाने के दौरान

मलबे से सुरंग बंद, रेस्क्यू करने गए कुछ वर्कर बेहोश

चक्कर आए। कुछ बेहोश भी हो गए, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन प्रभावित हुआ। जिला अधिकारी तमलिंग ने बताया कि दोपहर करीब 3:40 बजे प्रशासन को हादसे की खबर मिली।

>> (शेष पेज 06 पर)

C M Y K C M Y K C M Y K C M Y K C M Y K C M Y K

घरों में घुसा पानी सोफा तैरा, 20 शहरों में बारिश, 2 में स्कूल बंद, 3 दिन में 10 मौतें

यूपी में सड़कों पर दौड़े मगरमच्छ

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी। यूपी में मानसून ने जोर पकड़ लिया है। मंगलवार सुबह से लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी समेत 20 शहरों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। पूरे प्रदेश में बादल छाए हैं। इसके अलावा, आज सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट है। 66 में भारी बारिश हो सकती है।

पिछले 24 घंटे में प्रयागराज में इतनी बारिश हुई कि सड़कें तालाब बन गईं। बारिश का पानी घरों में घुस गया। अंडरपास में 2 फीट तक जलभराव होने से ट्रैफिक रोकना पड़ा। कौशांबी में घर में पानी भरने से सोफे-कुर्सियां तैरती दिखीं। पीलीभीत और बहराइच में खराब मौसम की वजह से सभी स्कूलों की छुट्टी कर दी गई। इधर, यूपी में कई नदियां उफान पर हैं। लखीमपुर में शारदा नदी का पानी गांवों में घुस गया है। पानी के साथ मगरमच्छ भी गांव तक पहुंच गए। खेतों और सड़कों पर दौड़ते दिखाई दिए। वाराणसी-प्रयागराज में घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। काशी में 50 छोटे मंदिरों में पानी भर गया है। इससे पहले, सोमवार को गोरखपुर, अयोध्या समेत 50 जिलों में बारिश हुई। फिरोजाबाद और उन्नाव के सरकारी अस्पताल में घुटनों तक पानी भर गया। शामली में नहर टूट गई। 10 फीट सड़क धंस गई। प्रदेश में पिछले 3 दिनों में बारिश और बिजली गिरने की वजह से 10 लोगों की मौत हो गई।

बुलंदशहर में घर के बाहर मिला 12 फीट लंबा अजगर

बुलंदशहर के अनूपशहर की कैलाश विहार कॉलोनी में मंगलवार सुबह एक मकान के बाहर नाली में करीब 12 फीट लंबा अजगर दिखाई दिया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर महज 10 मिनट में अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे जंगल में छोड़ दिया।

> लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया के कमजोर पड़ने के साथ ही मानसूनी गतिविधियां तेज हो गई हैं। मानसूनी रेखा श्रीगंगानगर, रोहतक, हरदोई, वाराणसी, रांची होते हुए उत्तरी पश्चिमी बंगाल की खाड़ी तक जा रही है। ऐसे में यूपी में 24 जुलाई तक भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट रहेगा। इसके बाद 3-4 दिन कहीं-कहीं भारी बारिश का येलो अलर्ट रहेगा।

कानपुर देहात में सूखी नहर में मिला 7 फीट लंबा मगरमच्छ

कानपुर देहात के अमराहट गांव में लगातार बारिश के बीच एक 7 फीट लंबा मगरमच्छ मिला। गांव की सूखी नहर में ग्रामीणों ने मगरमच्छ को देखा। तुरंत सूचना स्थानीय अमराहट थाना पुलिस को दी। थाना प्रभारी महेश कुमार ने वन विभाग को सूचना दी। वन दारोगा इंद्रेश कुमार के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। मगरमच्छ को रस्सियों की मदद से सुरक्षित निकाला। पास ही बह रही यमुना नदी में सुरक्षित छोड़ दिया।

उन्नाव में बारिश से बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) में पानी भर गया।

सहारनपुर के शिव मंदिर में निकला कोबरा

सहारनपुर के नानौता में गंगोह मार्ग स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भवन निर्माण कार्य के दौरान एक जहरीला कोबरा नाग मिलने से हड़कंप मच गया। मंगलवार सुबह हुई इस घटना की सूचना पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर कोबरा का सुरक्षित रेस्क्यू किया।

वाराणसी में चोर 5-मिनट में चुरा ले गए अष्टधातु मूर्ति

पुलिस ने पांच दिन बाद भी नहीं दर्ज की एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के बटुक भैरव मंदिर के पास रहने वाले प्रभाकर गिरी के मकान से 17 जुलाई को चोरों ने तीन अष्टधातु की श्रीकृष्ण और लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां चुरा ली। दिनदहाड़े हुई इस चोरी की सूचना पीड़ित ने पुलिस को दी पर आज तक FIR नहीं दर्ज की गई। अष्टधातु की मूर्तियों को चुराने वाले दो व्यक्ति में से एक घर के अंदर जाते और फिर झोले में मूर्तियां लेकर 5 मिनट में बाहर आते हुए सीसीटीवी में कैद हुआ है।

पीड़ित के अनुसार 17 जुलाई को पुलिस ने रथयात्रा मेले की दुहाई देते हुए तहरीर लेकर वापस भेज दिया था। लेकिन अब दौड़ाया जा रहा है और पुख्ता सुबूत के बाद भी FIR दर्ज करने में हीलाहवाली की जा रही है। प्रभाकर गिरी ने बताया - 17 जुलाई की दोपहर में मेरे पिता

वासुदेव गिरी, छोटे भाई की वाइफ रीता गिरी, मेरी वाइफ नीतू गिरी, मेरा बेटा शिवाय गिरी और दो साल की बच्ची ऊपर के तल में सो रहे थे। शाम में सात बजे रोज की तरह शिवाय मेरा बेटा नीचे मंदिर में पूजा के लिए उतरा। यहां पहुंचा तो उसने मम्मी को अपनी आवाज दी और कहा की मंदिर में मूर्ति गायब है। जिसके बाद सब लोग नीचे आये तो मूर्तियां जो अष्टधातु की बनी थीं और हमारे दादा जी ने स्थापित कराई थी वो गायब थी।

प्रभाकर ने बताया - इसके बाद हम लोगों ने सीसीटीवी कैमरे को चेक करना शुरू किया।

दो बेटियों को लेकर पानी की टंकी पर चढ़ी महिला

गोरखपुर। गोरखपुर में 12 जुलाई को एक महिला दो बेटियों के साथ पानी की टंकी पर चढ़ गई थी। मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे मीडिया के सामने आई। बातचीत में अपना पक्ष रखते हुए उसने पड़ोस के दो व्यक्तियों पर जमीन हड़पने और टॉर्चर करने का आरोप लगाया।

उसका कहना है कि कोर्ट के आदेश के बावजूद उसके हिस्से की जमीन पर कब्जा किया जा रहा। महिला के अनुसार 2017 से उस जमीन पर ईंट का भट्ठा चलाया जाता है। तमाम शिकायतों के बाद भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सहजनवा क्षेत्र के मुस्तफाबाद उर्फ मलऊर गांव के राहुल प्रताप सिंह की पत्नी कृष्ण कांती सिंह सुबह 11:30 बजे घर से 20 किमी दूर कैंट थाना क्षेत्र के सदर तहसील पहुंची। उनके साथ 7 और 10 साल की दो बच्चियां भी थीं। बच्चों को लेकर वह सदर तहसील के अंदर गईं। वहां स्थित 100 फीट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ गई। इसकी सूचना जैसे ही मिली, वहां पुलिस और प्रशासन की टीम पहुंच गई।

सुभासपा ने बाराबंकी में संगठन को दी नई धार, अधीर सिंह बने जिलाध्यक्ष

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने बाराबंकी जिले में अपने संगठन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए युवा समाजसेवी अधीर सिंह को पार्टी का नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। मंगलवार को सुन्धियामऊ-सूरतगंज मार्ग स्थित मीरपुर गांव में आयोजित विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन एवं संगठन विस्तार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ. अरविंद राजभर ने इसकी औपचारिक घोषणा की। जैसे ही अधीर सिंह के नाम की घोषणा हुई, कार्यक्रम स्थल तालियों की गड़गड़ाहट और पार्टी के नारों से गूंज उठा। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत करते हुए मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। सम्मेलन में जिले के विभिन्न ब्लॉकों एवं विधानसभा क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और

समर्थक शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ना तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों के लिए कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करना रहा। अपने संबोधन में डॉ. अरविंद राजभर ने कहा कि सुभासपा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के अधिकारों की लड़ाई लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है और इसी सोच के साथ संगठन का लगातार विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं को राजनीति में आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि पार्टी उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारियां देकर नई पीढ़ी को अवसर प्रदान कर रही है।

श्रावस्ती में कहा- नौकरी आते ही चचा-भतीजे निकल पड़ते थे, 396 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी

हमने छांगुर को जेल में ठूंसा : योगी

- कांग्रेस ने श्रावस्ती को पीछे ढकेला
- नौकरी आते ही चाचा-भतीजे की जोड़ी निकल पड़ती थी : योगी

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रावस्ती। बहराइच के बाद सीएम श्रावस्ती पहुंचे। यहां सीताद्वार में 396 करोड़ से अधिक की 83 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

सीएम ने कहा-छांगुर को हम लोगों ने बलरामपुर में पकड़ा था। वो कैसे बेवकूफ बनाकर कालनेमी के रूप में रहता था। पकड़कर उसे जेल के अंदर ठूंसा है। उसके जो अनैतिक काम हो रहे थे, उनपर बुलडोजर चल चुका है। छांगुर और उसके गुर्गे धराशायी हो चुके हैं। हमने कहा था कि कोई बेटी-व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाए गा तो उसकी जगह जेल या जहन्नुम में होगी। आज यही तो हो रहा है। सीएम ने आगे कहा कि भिनगा में भाजपा का विधायक होता तो श्रावस्ती में और बड़ी योजनाएं आतीं। ये सपा वालों को विकास की पैरवी करने की फुर्सत कहां है। इनके लूट खसोट के अवैध धंधे सरकार पहले ही चौपट कर चुकी है। अब ये दुम दबाकर छिपे रहते हैं। क्योंकि इनको पता है कि गलत का परिणाम गलत होगा। जो विकास श्रावस्ती का होना चाहिथा वो नहीं हुआ। 75 साल तक श्रावस्ती रेलवे लाइन से दूर रहा। जब प्रधानमंत्री मोदी आए तो यहां रेलवे लाइव पहुंची है।

हर जिले में माफिया होता था

योगी ने कहा- सपा सरकार में हर जिले में एक माफिया होता था। थाने में एक गुंडे का कब्जा हो जाता था। तहसील में भू माफिया, लैंड-सैंड माफिया पशु माफिया का कब्जा हो जाता था। जनता टकटकी लगाए देखती थी। उन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिलता था। उसका परिणाम ये हो गया कि यूपी बीमार और श्रावस्ती पिछड़ गया। इस जिले की दुर्गति हो गई।

सपा ने गाजी का मेला लगवाया इसलिए दुर्गति हुई

योगी ने कहा- महाराजा सुहेलदेव के कारण हम लोग जीवित हैं। उनकी परंपरा को आगे बढ़ाने की बजाए सपा कांग्रेस के लोगों ने विदेशी आक्रांता गाजी के नाम पर मेला लगाना शुरू कर दिया। हमारी सरकार आई तो हमने कहा कोई ऐसा आयोजन करेगा तो कार्रवाई करेंगे। ये स्वतंत्र भारत है। स्वाधीन भारत में विदेशी आक्रांता का सम्मान नहीं हो सकता। ये कांग्रेस और सपा के लोग हैं। इन्हें मां जानकी, भगवान संभवनाथ, भगवान बुद्ध अच्छे नहीं लगते। मां जानकी की रामायणकालीन पंरपरा अच्छी नहीं लगती। इन्हें तो गाजी मियां का मेला लगवाना था। इसलिए इनकी दुर्गति भी हुई है।

> **देश को 1947 में आजाद हो गया था। आजादी के बाद कांग्रेस ने लंबे समय तक राज किया। लेकिन विकास नहीं किया। बल्कि इस क्षेत्र को पीछे ढकेलने में कोई कसर नहीं छोड़ी। न रेल की कनेक्टिविटी थी, न एयर। सड़क को कोई पूछने वाला नहीं था।**

'सपा सांसद ने दलित महिला की जमीन कब्जाई'

मंत्री राजभर का दावा- 50 बीघे में फार्म हाउस बनाया, अखिलेश के सांसद भाई सब जानते

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने एक बार फिर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर हमला बोला। उन्होंने कहा- वह चाहते हैं कि अगले साल बनने वाली नई सरकार में एक मजबूत विपक्ष मिले। अगर अच्छा विपक्ष बनना है, तो सपा को 'लुटेरे' नेताओं पर लगाम लगानी होगी।

मंगलवार सुबह 11:45 बजे राजभर ने X पर पोस्ट करते हुए लिखा-आपके सांसद ने एक दलित महिला की 50 बीघा जमीन पर कब्जा कर लिया है। उसके चारों ओर करंट वाला तार लगवा दिया है, ताकि कोई गरीब वहां जाए और उसकी मौत हो जाए। आप अपने भाई धर्मेंद्र यादव से पूछ लीजिए। राजभर ने अपनी पोस्ट में जिस सपा सांसद का जिक्र किया है वह दरोगा प्रसाद सरोज हैं। सरोज, आजमगढ़ के लालगंज सुरक्षित लोकसभा सीट से तीसरी बार सांसद चुने गए हैं। राजभर ने लिखा, "अखिलेश भैया, सुबह की राम-राम! एक बात बताइए मित्र, क्या आपकी पार्टी के लोगों को गरीबों, पिछड़ों और दलितों को सताने में मजा आता है?" प्रदेश में लगभग हर रोज हो रहे अपराधों की जांच में सपा से जुड़े लोगों के नाम सामने आ रहे हैं। हत्या, हुड़दंग से लेकर चोरी-छिनैती तक की घटनाओं में आपकी पार्टी के लोगों का नाम क्यों आता है?

अखिलेश पर तंज कसते हुए राजभर ने कहा- अगले सरकार नई सरकार के लिए अच्छा विपक्ष आपको बनना है तो लुटेरे नेताओं पर लगाम लगाएं।

राजभर ने एक दिन पहले अखिलेश से पूछा- क्या आप यदुवंशी हैं?

एक दिन पहले सोमवार को एक्स पर मंत्री राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के यदुवंशी होने पर ही सवाल उठाया था। लिखा था- अगर अखिलेश सच्चे यदुवंशी होते तो मौलाना जरजिस अंसारी के भगवान श्रीकृष्ण पर आपत्तिजनक बयानों पर खून खौलता।

मौलाना जरजिस हम सब के आराध्य भगवान श्रीकृष्ण को लेकर लगातार आपत्तिजनक बयानबाजियां कर रहा है और आप वोट बैंक की राजनीति के चक्कर में मुंह सिलकर पूरे यदुवंश की नाक कटा रहे हैं। वैसे आपसे अपेक्षा ही क्या की जा सकती है। आप तो वोटबैंक की राजनीति में इतने गिर चुके हैं कि कोई मौलाना आपकी धर्मपत्नी पर भी अभद्र टिप्पणी करके आप का चहेता बना रह सकता है

50 बीघा जमीन कब्जाने और 'करंट वाले तार' का आरोप

राजभर ने आजमगढ़ के मोहनपुर पटवास गांव का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि सपा सांसद एक गरीब दलित महिला गीता सरोज की जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। उनका दावा है कि सांसद ने इसके लिए अपने बेटे और पोते को लगा रखा है, जो शराब के नशे में गाली-गलौज करते हैं और धमकियां देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब 50 बीघा जमीन और एक तालाब पर कब्जा कर वहां स्विमिंग पूल वाला फार्महाउस बना लिया गया है। कब्जाई गई जमीन के चारों ओर करंट वाला तार लगवाया गया है, ताकि कोई गरीब या दलित वहां जाए तो करंट लगने से उसकी मौत हो जाए।

जलस्तर के लगातार बढ़ने और घटने से एक बार फिर कटान शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। हेतमापुर स्थित सरयू-घाघरा नदी में इन दिनों जलस्तर के लगातार बढ़ने और घटने से एक बार फिर कटान शुरू हो गई है। नदी के किनारे बसे गांवों के लोगों में भय का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि नदी का रुख देखकर उन्हें बीते वर्षों की भयावह तबाही याद आने लगी है, जब नदी के तेज बहाव में सैकड़ों मकान, उपजाऊ कृषि भूमि और कई गांवों का बड़ा हिस्सा नदी में समा गया था। अब एक बार फिर लोग अपने घरों और खेतों को बचाने की चिंता में दिन-रात गुजार रहे हैं। फिर हाल नदी का जलस्तर खतरे के निशान के नीचे है। स्थानीय लोगों के अनुसार सरयू-घाघरा की धारा लगातार किनारों को काट रही है। यदि समय रहते प्रभावी बचाव कार्य नहीं कराया गया तो इस वर्ष भी कई परिवारों के सामने बेघर होने और

खेती बर्बाद होने का संकट खड़ा हो सकता है। जबकि बेलाहरी गांव निवासी कमलेश का मकान अगली ही बाढ़ में सरयू नदी की बिल्कुल किनारे पहुंच चुका था। ग्रामीणों का कहना है कि नदी का पानी कभी घटता है तो कभी बड़ता है ऐसे में कटान तेज हो सकती है। केदाररीपुर गांव में भी एक मकान पिछले साल ही नदी के कटान क्षेत्र में आ चुका है। लगातार बढ़ते खतरे को देखते हुए वहां रहने वाले परिवार ने पिछले वर्ष ही अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थान पर रहने का निर्णय लिया। हालांकि उनका मकान अब भी नदी के किनारे खड़ा है, लेकिन हर समय उसके ढहने और नदी में समाने का खतरा बना हुआ है। सूरतगंज के बसंतापुर गांव रहने वाले मंशाराम पुत्र बैजनाथ ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2014 में 12 बीघा कृषि भूमि पंडितपुरवा गांव के पास खरीदी थी।

वर्ष 2024 में पूरी जमीन सरयू-घाघरा नदी की कटान में समा गई। उन्होंने आरोप लगाया कि दो वर्ष बीत जाने के बाद भी उन्हें सरकार की ओर से किसी प्रकार की आर्थिक सहायता या मुआवजा नहीं मिला।

सरयू नदी के किनारे बसे सरसंडा ग्राम पंचायत के बाबापुरवा गांव निवासी हेवमती ने बताया कि वर्ष 2002 में उनकी लगभग 9 बीघा कृषि भूमि नदी में समा गई थी। खेती खत्म होने के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती चली गई और आज भी उनका परिवार एक झोपड़ी में रहने को मजबूर है। उन्होंने बताया कि सरकार की ओर से आवास निर्माण के लिए जमीन आवंटित की गई थी, लेकिन वह स्थान गांव और बांध से काफी दूर था।

यूपीएसएसएससी अभ्यर्थियों ने डिप्टी सीएम का आवास घेरा

ग्राम पंचायत अधिकारी के रिजल्ट का इंतजार, 4 साल पहले की वैकेंसी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । मंगलवार को सुबह 9 बजे ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती (2022) के अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। विभिन्न जिलों से आए अभ्यर्थियों ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास का मानव श्रृंखला बनाकर घेराव किया। अभ्यर्थियों ने 2022 में आई वैकेंसी के फाइनल रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं। उनका कहना है कि सारी प्रक्रिया पूरी है तो रिजल्ट में देरी क्यों की जा रही है। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि 2022 के विज्ञापन के लिए 2023 में आवेदन लिए गए। लिखित परीक्षा, अभिलेख सत्यापन सहित सभी प्रक्रिया पूरी कर ली गई, लेकिन फाइनल परिणाम जारी नहीं किए गए। प्रदेशभर से आए अभ्यर्थियों ने डिप्टी सीएम के माध्यम से आयोग से शीघ्र परिणाम जारी किए जाने की मांग की। अभ्यर्थी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि PET के जरिये 2022 में वैकेंसी आई थी। ग्राम पंचायत अधिकारी के 1468 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया 2023 में शुरू हुई थी। हजारों अभ्यर्थियों ने भर्ती में आवेदन किया। 27 अप्रैल 2025 को लिखित परीक्षा भी आयोजित हो चुकी है। पात्र अभ्यर्थियों के अभिलेख सत्यापन की प्रक्रिया अप्रैल-मई तक पूरी कर ली गई थी । फिर भी अब तक फाइनल परिणाम जारी नहीं किए गए हैं। परिणाम में हो रही देरी की वजह से अभ्यर्थियों में नाराजगी है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास के बाद अभ्यर्थी पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर के आवास पहुंच गए। पुलिस ने बात करके यहां से सबको वापस कर दिया। अभ्यर्थियों का कहना है कि उनके सामने रोजगार का संकट और जीवनयापन करने की चुनौतियां हैं। अगर समय पर भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली जाती तो आज वे लोग अपने परिवार का सहारा होते।

आरोप : सपा ने भाजपा मंत्रियों के दबाव में कार्रवाई होने का लगाया आरोप, तत्काल हस्तक्षेप की मांग

मतदेय स्थलों में बदलाव और मतदाता सूची की गड़बड़ियों पर सपा का विरोध

- रायबरेली, प्रयागराज और कासगंज के मामलों में निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने की उठाई मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर रायबरेली, प्रयागराज और कासगंज से जुड़े निर्वाचन संबंधी मामलों में हस्तक्षेप की मांग की। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि कुछ स्थानों पर मतदेय स्थलों के पुनर्गठन, स्थानांतरण और मतदाता सूची में अनियमितताओं के कारण निष्पक्ष चुनाव प्रभावित हो सकता है।ज्ञापन में प्रयागराज की शहर दक्षिणी विधानसभा का भी उल्लेख किया गया है। सपा का आरोप है कि बहादुरगंज स्थित ठाकुर दीन बालिका जूनियर हाईस्कूल में बने कुछ मतदेय स्थलों पर मतदान के दौरान मतदाताओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। पार्टी ने इन मतदेय स्थलों को सरयूपारी महाविद्यालय, आर्यकन्या कॉलेज और अग्रवाल इंटर कॉलेज में स्थानांतरित करने की मांग की, ताकि मतदाता निर्भय होकर मतदान कर सकें। इसके अलावा कासगंज विधानसभा क्षेत्र की

मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

> सपा ने आरोप लगाया कि रायबरेली की ऊंचाहार विधानसभा में समाजवादी पार्टी समर्थक मतदाताओं वाले 17 मतदेय स्थलों का पुनर्गठन कर मतदान केंद्रों को दूर कर दिया गया है, जिससे बड़ी संख्या में मतदाता मतदान से वंचित हो सकते हैं। पार्टी ने इस प्रस्ताव को तत्काल निरस्त करने की मांग करते हुए कहा कि यह निर्णय निष्पक्ष चुनाव की भावना के विपरीत है।

समाजवादी पार्टी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से इन सभी मामलों में त्वरित कार्रवाई कर स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी विधानसभा चुनाव-2027 सुनिश्चित करने का आग्रह किया। ज्ञापन के.के. श्रीवास्तव, डॉ. हरिश्चंद्र सिंह और राधेश्याम सिंह ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा।

मतदाता सूची में बड़ी संख्या में कथित डुप्लीकेट मतदाताओं, नामों की पुनरावृत्ति और अन्य त्रुटियों का मुद्दा भी उठाया गया। सपा ने दावा किया कि करीब एक हजार डुप्लीकेट प्रविष्टियां हैं तथा कई मतदाताओं के नाम सूची से गायब हैं। पार्टी ने मतदाता सूची का सत्यापन कर उसे शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने की मांग की।

सुबह की भीड़ के बीच चार पहिया वाहन से पहुंचे आरोपी, वारदात के बाद गायब हुई गाड़ी

खजूरी बाजार में चली गोली, उठे कई सवाल

फायरिंग

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। खजूरी बाजार में मंगलवार सुबह अचानक हुई फायरिंग ने लोगों को हैरान कर दिया। रोज की तरह बाजार में चहल-पहल थी, लेकिन कुछ ही क्षणों में गोलियों की आवाज ने माहौल बदल दिया। चाय की दुकान पर बैठे एक युवक को निशाना बनाकर फायरिंग की गई और हमलावर देखते ही देखते चार पहिया वाहन से फरार हो गए।

मालीपुर थाना क्षेत्र के हाजीपुर गांव निवासी अतुल कुमार यादव इस हमले में घायल हुए हैं। गोली उनके

पैर में घुटने के पास लगी। पुलिस ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जलालपुर पहुंचाया, जहां उपचार के बाद उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई। अतुल यादव के मुताबिक वह शनिवार सुबह खजूरी बाजार खाद खरीदने आए थे। खाद की दुकान पर भीड़ होने के कारण वह पास की चाय-समोसे की दुकान पर बैठ गए। बताया गया कि इसी दौरान एक चार पहिया वाहन वहां आकर रुका। वाहन से कुछ लोग उतरे और सीधे अतुल की ओर बढ़े।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हो गई। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने खजूरी बाजार पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया।उन्होंने मौके की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस हमलावरों तक पहुंचने के लिए जांच आगे बढ़ा रही है।

आरोप है कि एक व्यक्ति ने पिस्तौल निकालकर फायर कर दिया। गोली लगते ही युवक वहां से बचने के लिए भागने लगा। गोली की आवाज सुनकर बाजार के लोग बाहर निकल आए। लोगों की भीड़ बढ़ती देख हमलावर वाहन में बैठकर मौके से निकल गए। दिनदहाड़े हुई इस घटना के बाद खजूरी बाजार में चर्चा का माहौल रहा। पुलिस घटनास्थल से जुड़े सुराग जुटाने के साथ ही आरोपियों की पहचान में लगी है।मालीपुर थानाध्यक्ष शशांक कुमार शुक्ला ने बताया कि पुलिस ने घायल युवक को उपचार के लिए भेजा है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

हमले की वजह बनी पहेली, पुराने रिश्तों की तलाश में पुलिस

फायरिंग की घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल हमले की वजह को लेकर है। पुलिस अब इस बात की पड़ताल कर रही है कि युवक को निशाना क्यों बनाया गया। जांच में पुरानी रंजिश का पहलू भी सामने आया है। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि घायल युवक और कुछ आरोपियों के बीच पहले दोस्ती थी, लेकिन बाद में किसी विवाद के चलते दूरी बढ़ गई थी। पुलिस का कहना है कि हर पहलू की जांच की जा रही है और जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति साफ होगी।

एसपी ने अयोध्या बॉर्डर से प्रमुख शिवधामों तक परखी तैयारियां

कांवड़ यात्रा से पहले अलर्ट मोड में पुलिस

■ बैरियर, कांवड़ मार्ग, घाटों और मंदिरों का किया स्थलीय निरीक्षण, सुरक्षा, यातायात और भीड़ प्रबंधन पर दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। आगामी कांवड़ यात्रा को लेकर जिले में सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने मंगलवार को जिले के विभिन्न कांवड़ मार्गों, अयोध्या बॉर्डर के बैरियर, प्रमुख घाटों और मंदिरों का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण की शुरुआत थाना

इब्राहिमपुर क्षेत्र के सेवागंज बैरियर (अयोध्या बॉर्डर) से हुई। इसके बाद थाना अहिरौली के यादव नगर बैरियर (अयोध्या बॉर्डर), कोतवाली अकबरपुर स्थित शिव बाबा धाम, थाना टांडा क्षेत्र के कांवड़ मार्ग, प्रमुख घाटों और मंदिरों, थाना अलीगंज के सेमहरिया चौराहा तथा थाना इब्राहिमपुर के मिरानपुर घाट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात संचालन और भीड़ प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की। संबंधित अधिकारियों और पुलिस कर्मियों को संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने, कांवड़ मार्ग पर सुचारु यातायात बनाए रखने और सभी व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों से कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा प्रबंधन से जुड़े सभी इंतजामों को प्रभावी ढंग से लागू करने और निर्धारित ड्यूटी का पालन सुनिश्चित करने को कहा।

फास्ट न्यूज

युवती को पीटने वाले पुलिस को दे रहे चकमा

गोरखपुर। गोरखपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र में 9 जुलाई को बाइक और कार की टक्कर के बाद युवती की सरेराह पिटाई कर दी गई थी। पिता के सामने ही बेटी को कार से घसीटकर बाल खींचते हुए मनबढ़ों ने बाहर निकाला था। इसके बाद युवती पर 8-10 लड़कों ने लात घूंसे बरसाए थे। इस केस में फरार आरोपी अब कोर्ट में सरेंडर करने के फिराक में हैं।

एसपी ने जनसुनवाई में सुनीं लोगों की शिकायतें

अम्बेडकरनगर। एसपी प्राची सिंह ने मंगलवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान लोगों की शिकायतें और समस्याएं सुनीं। इस दौरान विभिन्न मामलों में संबंधित अधिकारियों से जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी ने अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का त्वरित, निष्पक्ष, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि सभी मामलों का समयबद्ध समाधान किया जाए और शिकायतकर्ताओं को नियमानुसार आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए।

हज 2027 के आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

अम्बेडकरनगर। हज यात्रा 2027 (1448 हिजरी) के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया कि हज यात्रा 2027 के लिए आवेदन हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट hajcommittee.gov.in और 'हज सुविधा' मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन किए जा सकते हैं।

2012 के हत्या-लूट केस में आरोपी को जमानत

गैर जमानती वारंट के बाद अदालत पहुंचा था आरोपी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। करीब 14 साल पुराने हत्या और लूट के मामले में आरोपी मगनलाल को अदालत से जमानत मिल गई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम पवन कुमार शुक्ला की अदालत ने आरोपी को एक लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की दो जमानतें दाखिल करने की शर्त पर रिहा करने का आदेश दिया।

मामला राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार, वर्ष 2012 में यहां लूट और हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ था। इसमें जैतपुर थाना क्षेत्र के बीबीपुर निवासी मगनलाल आरोपी है।

अभियोजन के अनुसार, आरोपी पहले जमानत पर था। लेकिन 21 सितंबर 2021 को न्यायालय में पेश नहीं होने के कारण उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया

गया था। आरोपी की ओर से अदालत में दाखिल प्रार्थनापत्र में बताया गया कि वह दिल्ली में मजदूरी करने चला गया था, जिसके कारण निर्धारित तारीख पर न्यायालय में उपस्थित नहीं हो सका। वारंट की जानकारी मिलने के बाद उसने 22 जून 2026 को न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद अदालत ने आरोपी की परिस्थितियों और पूर्व में मिली जमानत को देखते हुए जमानत मंजूर कर ली। अदालत ने आरोपी को निर्देश दिया कि वह मुकदमे की प्रत्येक सुनवाई पर उपस्थित रहेगा।

हरिनाम संकीर्तन के बीच निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

सिटी पैलेस से शुरू हुई यात्रा, प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा भव्य रथ

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा मंगलवार को शहर में धार्मिक उत्साह और पारंपरिक विधि-विधान के साथ निकाली गई। शहजादपुर नई सड़क स्थित सिटी पैलेस से शुरू हुई यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। हरिनाम संकीर्तन, मृदंग और करताल की धुन के बीच भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के विग्रहों को भव्य रथ पर विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। पूजा-अर्चना और महाआरती के बाद श्रद्धालुओं ने रथ की डोर खींचकर यात्रा का शुभारंभ किया। इसके बाद जयघोष और भजन-कीर्तन के साथ रथयात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी।

रथयात्रा के स्वागत के लिए शहर

में कई स्थानों पर श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों की ओर से व्यवस्था की गई थी। लोगों ने रथ पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया और आरती उतारी।गर्मी को देखते हुए कई स्थानों पर जल और शीतल पेय की व्यवस्था की गई। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को सेवा स्टॉल के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया गया। नगर भ्रमण के बाद रथयात्रा दोबारा सिटी पैलेस परिसर पहुंची। यहां यात्रा का समापन किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण हुआ।महाप्रसाद लेने के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। लोगों ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के दर्शन किए।

भक्ति संगीत के साथ शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरा रथ

रथयात्रा सिटी पैलेस से निकलकर जेटली स्कूल, राम जानकी मंदिर मार्ग, लोहिया प्रतिमा, फव्वारा तिराहा और दोस्तपुर तिराहा होते हुए वापस सिटी पैलेस पहुंची।यात्रा के दौरान श्रद्धालु हरिनाम संकीर्तन करते हुए रथ के साथ चलते रहे। मृदंग और करताल की ध्वनि से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। बड़ी संख्या में लोगों ने मार्गों के किनारे खड़े होकर भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए।

119वें स्थापना दिवस पर सेवा और सामाजिक सरोकारों का संदेश

बैंक ऑफ बड़ौदा ने किए कई जनहित कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। बैंक ऑफ बड़ौदा ने सोमवार को अपना 119वां स्थापना दिवस जिले में विविध सामाजिक और जनजागरूकता कार्यक्रमों के साथ मनाया। पूरे दिन आयोजित कार्यक्रमों में बैंक की सामाजिक जिम्मेदारियों, वित्तीय जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता पर विशेष जोर रहा।

स्थापना दिवस का शुभारंभ बाइक रैली से हुआ। इसमें बैंक के अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय युवाओं ने भाग लिया। रैली के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं और वित्तीय जागरूकता का संदेश लोगों तक पहुंचाया गया। इसके बाद 'प्लांटेशन-119' अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। कर्मचारियों और स्वयंसेवकों ने विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। स्थापना दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल अकबरपुर की महिला वार्ड में मरीजों के बीच फल वितरित किए गए। वहीं स्थानीय वृद्धाश्रम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था की गई। रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें बैंक कर्मचारियों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया।

■ बाइक रैली से हुई शुरुआत, वृक्षारोपण, रक्तदान, अस्पताल में फल वितरण और वृद्धाश्रम में विशेष भोजन का आयोजन

दो सप्ताह के अभियान ने बदली सोच, दुर्घटनाओं में करीब 50% कमी दर्ज

सड़क सुरक्षा की नई राह पर अम्बेडकरनगर

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। सड़क सुरक्षा को लेकर चलाया गया दो सप्ताह का व्यापक अभियान मंगलवार को लोहिया भवन सभागार में संपन्न हो गया। जिला प्रशासन अम्बेडकरनगर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रोड सेफ्टी (सीओईआरएस), आईआईटी मद्रास के सहयोग से आयोजित इस अभियान ने सड़क सुरक्षा को जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास किया।

7 जुलाई से 21 जुलाई 2026 तक चले अभियान में शिक्षा, इंजीनियरिंग, प्रवर्तन, स्वास्थ्य और जनसहभागिता को केंद्र में रखा गया। अभियान के दौरान प्रशासन ने सुरक्षित यातायात व्यवहार को बढ़ावा देने के साथ ही दुर्घटनाओं के

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में पिछले एक माह में सड़क दुर्घटनाओं में करीब 50 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। उन्होंने इसे प्रशासन, विभागों, स्वयंसेवकों और नागरिकों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम बताया।

कारणों की पहचान और समाधान पर भी काम किया।

समापन समारोह में जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने कहा कि आईआईटी मद्रास के सहयोग से सड़क दुर्घटनाओं के कारणों का वैज्ञानिक अध्ययन कराया गया। सड़क सुरक्षा ऑडिट के आधार पर ब्लैक स्पॉट और संभावित दुर्घटना स्थलों की पहचान कर सुधार कार्य शुरू किए गए।

उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल यातायात नियमों के पालन तक सीमित नहीं है।

गांवों से विद्यालयों तक पहुंचा सड़क सुरक्षा का संदेश

अभियान के दौरान सड़क सुरक्षा का संदेश जनपद के विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचाया गया। विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने पोस्टर, स्लोगन, निबंध और क्विज प्रतियोगिताओं के माध्यम से लोगों को सुरक्षित यातायात का संदेश दिया।

सड़क सुरक्षा पदयात्रा, ग्राम चौपाल, नुक्कड़ नाटक, क्षमता विकास प्रशिक्षण, स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण शिविर, वीडियो आधारित जागरूकता कार्यक्रम और विशेष प्रवर्तन अभियान भी चलाए गए।

सड़क सुरक्षा सखी और सड़क सुरक्षा मित्रों ने लोगों के बीच पहुंचकर हेलमेट, सीट बेल्ट और यातायात नियमों के पालन को लेकर जागरूकता बढ़ाई।

बोर्ड परीक्षा 2027: केंद्रों की तलाश शुरू 364 स्कूलों की सुविधाओं की होगी जांच

सीसीटीवी से लेकर परीक्षा कक्ष तक परखी जाएगी व्यवस्था

■ मानकों पर खरे उतरने वाले विद्यालयों को मिलेगी जिम्मेदारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। यूपी बोर्ड परीक्षा 2027 को लेकर जिले में परीक्षा केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया आगे बढ़ गई है। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने जिले के सभी 364 माध्यमिक विद्यालयों का ऑनलाइन विवरण पूरा कर लिया है। अब विद्यालयों की वास्तविक स्थिति की जांच के बाद परीक्षा केंद्रों का चयन किया जाएगा।

जिले में संचालित 32 राजकीय, 60 वित्तविहीन सहायता प्राप्त और 272 निजी माध्यमिक विद्यालयों से परीक्षा केंद्र के लिए जरूरी सूचनाएं ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कराई गई हैं। विभाग ने विद्यालयों में उपलब्ध

सुविधाओं की जानकारी जुटाई है। परीक्षा केंद्र चयन से पहले विद्यालयों में भवन, परीक्षा कक्ष, सीसीटीवी कैमरे, पेयजल, शौचालय, फर्नीचर और विद्युत व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं का सत्यापन कराया जाएगा। सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर ही केंद्रों का अंतिम चयन होगा। परीक्षा केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया 20 जुलाई से 18 सितंबर तक चलेगी। विभाग के अनुसार ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से केंद्र चयन की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाया जा रहा है।

जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. कौस्तुभ कुमार सिंह ने बताया कि इस बार केंद्र निर्धारण में ऑनलाइन व्यवस्था को प्राथमिकता दी जा रही है। मानक पूरे करने वाले विद्यालयों को ही परीक्षा केंद्र बनाए जाने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

अम्बेडकरनगर के स्कूलों में चला जागरूकता अभियान

स्वच्छता को बनाया गया जीवन का हिस्सा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। संचारी रोगों की रोकथाम के लिए जिले के विद्यालयों में सोमवार को विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत आयोजित हैंडवॉश गतिविधियों में छात्र-छात्राओं को स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वास्थ्य से जुड़ी जरूरी जानकारी दी गई।

विद्यालयों में बच्चों को भोजन से पहले और शौचालय के बाद साबुन से हाथ धोने की सही विधि का प्रदर्शन कराया गया। शिक्षकों ने बताया कि नियमित रूप से हाथों की सफाई रखने से कई संक्रामक रोगों से बचाव किया जा सकता है।

यह अभियान मिश्रीलाल आर्य कन्या इंटर कॉलेज टांडा, सावित्रीबाई फुले राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका हाई स्कूल फरीदपुर कुतुब, राजकीय

बालिका इंटर कॉलेज तेंदुआई कला, राजकीय हाई स्कूल लखनपुर, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहितीपुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज जाफरगंज और राजकीय बालिका हाई स्कूल कहरा सुलेमपुर सहित कई विद्यालयों में आयोजित किया गया। कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को हाथों की साफ-सफाई के साथ स्वच्छ पेयजल का उपयोग, आसपास का वातावरण साफ रखने और व्यक्तिगत स्वच्छता की आदतों को अपनाने के लिए जागरूक किया गया।

संदेश : जिलाधिकारी ने कौशल विकास कार्यक्रमों का लिया जायजा

बीसी सखियों को मिला बैंकिंग का हुनर

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में मंगलवार को आरसेटी (बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान), अकबरपुर में बीसी सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण पूरा करने वाली बीसी सखी प्रशिक्षुओं को जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने प्रमाणपत्र वितरित किए।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने आरसेटी की ओर से चलाए जा रहे कौशल विकास और स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी ली। उन्होंने संस्थान परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने कहा कि आरसेटी के प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं और महिलाओं को रोजगार

बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रमुख मिहिर कुमार झा ने कहा कि प्रशिक्षण के बाद बीसी सखियां बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखाओं से जुड़कर अपनी ग्राम पंचायतों में बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराएंगी।

और स्वरोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बीसी सखियों से कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी और तकनीकी कौशल का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने में करें। उन्होंने कहा कि बीसी सखियां गांवों में लोगों को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। कार्यक्रम में बीसी सखी प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण पूरा करने पर प्रमाणपत्र दिए गए। इसके बाद जिलाधिकारी ने आरसेटी के अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जुड़े प्रशिक्षुओं द्वारा तैयार उत्पादों का अवलोकन किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं के कार्यों की जानकारी ली और कौशल आधारित प्रशिक्षण को स्वरोजगार की दिशा में उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण नागरिकों को बैंकिंग सुविधाओं तक पहुंच आसान होगी और वित्तीय सेवाओं का विस्तार होगा। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी ने आरसेटी परिसर में पौधारोपण किया।

आरसेटी में बीसी सखियों को दिया जा रहा छह दिवसीय प्रशिक्षण

आरसेटी निदेशक राजेश कुमार ने संस्थान की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि बीसी सखियों को छह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि संस्थान की ओर से जिला कारागार की महिला बंदियों को ब्यूटी पार्लर प्रबंधन का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य उन्हें कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तैयार करना है।

विशेष चौपाल में 94 भूमि विवादों का निस्तारण

जलालपुर तहसील के पांच ग्राम पंचायतों में चला अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। भूमि विवादों के समयबद्ध निस्तारण के लिए शासन के निर्देश पर सोमवार को जिले की सभी तहसीलों में विशेष भूमि विवाद निस्तारण चौपाल का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ईशा प्रिया के निर्देशन में उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी और लेखपालों की मौजूदगी में ग्रामीणों की शिकायतें सुनी गईं और उनका निस्तारण किया गया। अभियान के तहत जलालपुर तहसील के विभिन्न गांवों में राजस्व विभाग की विशेष टीमों ने चौपाल लगाई। उपजिलाधिकारी मधुमिता सिंह ने बताया कि धवरुआ में 30, बड़ागांव में 29, खालिसपुर भटौली में 7, अजमलपुर में 14 और मरहरा में 14 भूमि विवादों का निस्तारण किया गया। इस तरह पांच ग्राम पंचायतों में कुल

94 मामलों का समाधान किया गया। चौपाल के दौरान भूमि विवादों से जुड़े मामलों की सुनवाई कर कई शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। अधिकारियों ने राजस्व अभिलेखों की जांच की, पक्षकारों की बात सुनी और आवश्यक राजस्व प्रक्रिया आगे बढ़ाई। क्षेत्रीय लेखपाल अपने-अपने क्षेत्रों के भूमि विवादों और अब तक की गई कार्रवाई का विवरण लेकर चौपाल में उपस्थित रहे।ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों के सामने रखीं।

सम्पादकीय

दिशाहीन आयोजन

सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश की एक आहत करने वाली टिप्पणी की प्रतिक्रिया से उपजी काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के संसद मार्च के समय दिल्ली में जिस तरह हंगामा और हिंसा हुई, उसकी आशंका पहले से ही थी, क्योंकि इस कथित राजनीतिक दल का धरना-प्रदर्शन पूरी तरह दिशाहीन था। सच तो यह है कि इस समूह का गठन ही हास-परिहास का परिणाम था। उसे खुद के एक राजनीतिक ताकत बन जाने का भ्रम इसलिए हो गया, क्योंकि इंटरनेट मीडिया पर उसके करोड़ों फालोअर्स हो गए थे। इस भ्रम ने ही एक दिशाहीन आंदोलन की नींव रखी। सीजेपी इसका उदाहरण है कि आनलाइन प्रसिद्धि धरातल पर कोई असर नहीं दिखाती। सीजेपी का धरना-प्रदर्शन न केवल मोदी सरकार के हर किस्म के विरोधियों और खासकर आंदोलनजीवियों का आसान मंच बन गया था, बल्कि हर कोई उसे अपनी तरह से भुनाने में लगा हुआ था। विपक्षी दलों ने भी उसके मंच का उपयोग बहती गंगा में हाथ धोने वाले अंदाज में ही किया। यह किसी से छिपा नहीं कि उसके मंच से किस तरह नीट पेपर लीक के साथ देश-दुनिया के अनगिनत मसलों को उठाया जा रहा था। सीजेपी का आयोजन विश्वसनीयता इसलिए नहीं हासिल कर पाया, क्योंकि इस समूह के जो कर्ता-धर्ता इसके लिए व्यग्र दिख रहे थे कि उनके साथ आ गए लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक अपनी जान जोखिम में डालकर भी भूख हड़ताल जारी रखें, वे स्वयं अनशन करने और यहां तक कि धरना स्थल पर निरंतर उपस्थित रहने के लिए भी तैयार नहीं थे।

सीजेपी के संसद मार्च में भीड़ इसलिए जुट गई, क्योंकि उच्च न्यायालय के आदेश पर सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया था, लेकिन यह भीड़ इसलिए पूरी तरह अनियंत्रित थी, क्योंकि कोई भी उसे दिशा देने वाला नहीं था। क्या यह विचित्र नहीं कि जब सीजेपी नेता अपना अनशन खत्म करने की घोषणा कर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात करने की तैयारी कर रहे थे तो संसद मार्च में शामिल भीड़ संसद में घुसने की चेष्टा कर रही थी। आखिर इससे क्या हासिल होने वाला था? इस चेष्टा के बाद वह सब कुछ होना ही था, जो दिल्ली की सड़कों पर देखने को मिला।

इसे रोका जा सकता था, यदि सीजेपी नेता किसी सुविचारित रणनीति के तहत अपना धरना-प्रदर्शन कर रहे होते। उन्हें यह आभास होना चाहिए था कि उनका अपने समर्थकों पर कोई नियंत्रण नहीं। चूंकि संसद के प्रत्येक सत्र के पहले ऐसा कुछ होता है, जिससे विपक्ष को पहले ही दिन सदन में हंगामा करने का अवसर मिल जाता है, इसलिए सरकार को भी चाहिए था कि वह संसद मार्च के पहले ही सीजेपी के नेताओं से संवाद-संपर्क की पहल करती। आखिर जो बातचीत अब हुई, वह पहले क्यों नहीं हो सकती थी?

कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च से सुलगते सवाल और राजनीतिक निहितार्थ

> मजे की बात तो यह कि संसद के निकट पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जो पूर्व प्रायोजित झड़प हुई और उसके बाद हालात नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया, इससे यह संसद मार्च राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सुर्खियां बन गया।

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) का संसद चलो आह्वान केवल एक विरोध मार्च नहीं बल्कि केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की एक राजनीतिक रणनीति है। खासकर जिस तरह से इस आंदोलन को छात्र आंदोलन का स्वरूप दिलवाया जा चुका है, वह डीप स्टेट के इशारे पर बनी विपक्ष की शातिर सरकार घेरो रणनीति का कमाल भी करार दिया जा रहा है। देखा जाए तो संसद के मानसून सत्र के दौरान गत 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद की ओर मार्च करने के दौरान बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जुटे और कूच किया, वह बिल्कुल संगठित राजनीतिक आंदोलन के तर्ज पर हुआ।

बड़े बड़े न्यूज़ चैनल्स और अखबारों के दफ्तरों में इससे जुड़े कई नीतिगत सवालों पर भी बहस होने लगी। सोशल मीडिया पर जहां सरकार विरोधी भड़काऊ वीडियो वायरल होने लगे, वहीं सत्ताधारी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी आंदोलनकारियों की कारगुजारियों के वीडियो साझा कर दिए, जिससे लोगों की सहानुभूति पुलिस और सरकार के साथ बनी रही।

यदि संसद मार्च के घटनाक्रमों पर संतुलित नजर डालें तो यही प्रतीत होता है कि जब बड़ी संख्या में सीजेपी (CJP) समर्थक ₹संसद चलो₹ मार्च के लिए जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़े तो भले ही उनकी मुख्य मांगें शिक्षा सुधार, परीक्षा-पत्र लीक और जवाबदेही था लेकिन इरादे तोड़फोड़ वाले और खतरनाक थे अन्यथा पुलिस को बल प्रयोग नहीं करना पड़ता। चूंकि संसद के मानसून सत्र के दौरान माननीयों की सुरक्षा के दृष्टिगत दिल्ली पुलिस ने व्यापक बैरिकेडिंग की थी, इसलिए ज्यादा दिक्कत नहीं हुई। पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों को रोका, हिरासत में लिया तथा कुछ स्थानों पर आंदोलनकारियों द्वारा उपद्रव करने के बाद आंसू गैस और बल प्रयोग की घटनाएं सामने आईं। इससे अफरातफरी मच गई। देखा जाए तो इस आंदोलन की प्रमुख मांगों में नीट (NEET) पेपर लीक और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं पर कार्रवाई, बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार की जवाबदेही, कुछ नेताओं द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग, आंदोलन से जुड़े लोगों के साथ संवाद आदि हैं लेकिन जो उत्पात दिखाई-सुनाई दिया, वह विपक्षी संस्कार नहीं तो क्या है? फिर भी, केंद्र सरकार ने आंदोलन के प्रतिनिधियों से बातचीत की पहल भी की, जो टकराव के बीच संवाद की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने सरकारी प्रतिनिधि के तौर पर CJP प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की और मांगपत्र ग्रहण किया। बावजूद इसके आंदोलनकारी अपनी मांगों पर कायम हैं।

सवाल है कि संसद मार्च के क्रम में जो कुछ गड़बड़ हुआ, क्या वह लोकतांत्रिक है, सही था या गलत? तो जवाब होगा कि युवाओं का शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा की निष्पक्षता जैसे मुद्दों पर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज़ उठाना लोकतंत्र का वैध हिस्सा है। वहीं, सरकार द्वारा आंदोलनकारियों से बातचीत शुरू करना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अनुरूप कदम है। फिर भी संसद मार्च के दौरान आंदोलनकारियों की ओर से कुछ कुछ गलत हुआ जो अनुचित लगा। यदि प्रदर्शनकारियों ने निषिद्ध क्षेत्र में जबरन प्रवेश करने या बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की, तो वह कानून-व्यवस्था की दृष्टि से उचित नहीं माना जाएगा।

वहीं, यदि पुलिस ने आवश्यकता से अधिक बल प्रयोग किया या शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर अनावश्यक कार्रवाई हुई तो उसकी भी निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय होनी चाहिए। हालांकि, इस पर अलग-अलग पक्षों के अपने अपने दावे हैं और सभी तथ्यों के गोलमोल जवाब ही मिले हैं, जिन पर एतबार करना मुश्किल है क्योंकि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो, जिसका अंतिम सत्यापन अभी होना बाकी है, कई अनकही कहानियां गढ़ रहे हैं। इससे सरकार सांसत में है और विपक्ष तरह-तरह के आरोप लगाकर सिस्टम की मुश्किलें बढ़ा रहा है। हालांकि इस बात में कोई दो राय नहीं कि लोकतांत्रिक समाधान का सर्वोत्तम रास्ता संवाद और कानून के दायरे में रहकर समस्या का समाधान है।

भले ही किसी भी लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन और अपनी मांगें रखना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन इस संसद मार्च के क्रम में देश की राजधानी नई दिल्ली के हृदय स्थल पर, जिस प्रकार की हिंसा, तोड़फोड़, सार्वजनिक व निजी संपत्ति को नुकसान पहुँचाना या सुरक्षा बलों से टकराव की जो प्रवृति दिखाई दी, वह विपक्षी दलों का परोक्ष कुचक्र नहीं तो क्या है? आखिर इस देशद्रोही प्रवृति को कदापि उचित नहीं ठहराया जा सकता है। इसी प्रकार, यदि पुलिस बल का प्रयोग आवश्यकता से अधिक हुआ हो, तो उसकी भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। सवाल है कि क्या स्थानीय जिलाधिकारी और डीसीपी के पास छात्र समूह को काबू में रखने की कोई स्पष्ट रणनीति नहीं थी? और यदि थी तो फिर इतना सबकुछ कैसे हुआ? वहीं कोई पुलिस कर्मी कैसे पिट गया और घायल हुआ? आखिर किसी दुकानदार को तोड़-फोड़ का सामना क्यों और कैसे करना पड़ा? जनपथ बाजार की सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त क्यों नहीं किए गए थे। वहीं, अनियंत्रित युवा भीड़ क्यों जुटने दी गई और उनको काबू में रखने के लिए व्यापक बंदोबस्त क्यों नहीं किये गए थे?

कॉकरोच जनता पार्टी के ₹संसद चलो₹ आह्वान के राजनीतिक मायने केवल एक विरोध मार्च तक सीमित नहीं हैं बल्कि यह भारतीय राजनीति में युवाओं के असंतोष, डिजिटल आंदोलन और पारंपरिक दलों के प्रति अविश्वास का प्रतीक बनकर उभरा है। हालांकि CJP स्वयं को व्यंग्यात्मक (satirical) आंदोलन बताता है लेकिन इसके मुद्दे गंभीर राजनीतिक प्रश्न उठाते हैं। यही वजह है कि राजनीतिक दृष्टि से इसके कई मायने निकाले जा रहे हैं:- पहला, संसद के मानसून सत्र के पहले दिन दबाव की राजनीति। दूसरा, युवाओं और प्रतियोगी परीक्षा अभ्यर्थियों के असंतोष को राष्ट्रीय मुद्दा बनाने का प्रयास।

कमलेश पांडेय

साध्य के स्वरूप से साधन

साध्य के अनुकूल साधन होने से हमें साध्य की प्राप्ति हो सकती है। संकल्प के बिना कोई मुक़ाम कभी हासिल हो यह सम्भव नहीं हैं। वह बिन इच्छा शक्ति के ,योग्य होते हुए भी , आत्मा कभी परमात्मा नहीं बन सकती हैं । धर्म की मोटी-मोटी परिभाषा यह हैं कि समता हमारा धर्म हैं वह हमारा कर्म समतमाय हों। धार्मिक जगत में आत्मवाद व कर्मवाद का मुख्य स्थान होता है। हमारी आत्मा ही सुख व दुख की कर्ता होती हैं यह है आत्मवाद। मन है कि मानता ही नहीं। यहां विचारों का तांता सा लगा रहता है। विचार विधायक भी आते हैं और निषेधक भी आते हैं। वह विधायक चिंतन से शांति और आनंद मिलता हैं। निषेधक चिंतन से मन में विषाद का घेरा भर जाता हैं। अशांति अपना डेरा जमा लेती हैं। आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी ने सुझाया कि हरदम सजग रहें। वह ज्यों ही निषेधक भाव कदम बढ़ाये तुरंत श्वास प्रेक्षा करने लग जायें। ये विचार मेरे नहीं है ऐसी अनुप्रेक्षा करें। उस विचार को वहीं विराम दे दे ।शुभ चिंतन की ओर अविराम मुड़ जाएं । ईश्वर कर्तृत्ववाद व ईश्वर सुख-दुख देने वाले होते हैं, यह बात जैन दर्शन को मान्य नहीं हैं । यदि ईश्वर-कर्ता होता तो सबके साथ समान व्यवहार करता, किसी को सुखी किसी को दुखी नहीं बनाता, क्योंकि वह पक्षपाती नहीं होता । आत्मा परम-ईश्वरता प्राप्त है,इस दृष्टि से भी ईश्वर कर्ता नहीं होता हैं । सिद्ध हमारे ईश्वर हैं । वह अपने कर्मों के बल पर ही वे सिद्ध बने है, राग-द्वेष से मुक्त हुए है । उनका साध्य पवित्र हैं और साधन भी पवित्र हैं । चाहे जैन आगम हों, चाहे हो श्रीमद् भगवद्गीता, दोनों ही बताते हैं कि शरीर केवल साधन हैं तथा वह नश्वर है। आत्मा अजर-अमर हैं । वह जिसने भी इस मर्म को समझ लिया उसे फिर मृत्यु का क्या डर हैं । वह तब जीवन की हर समस्या छोटी लगने लगती हैं ।

प्रदीप छाजेड़

निजी क्षेत्र इसरो के ...

दुर्गेश्वर राय

इसरो वैज्ञानिकों का जाना संकट है या अंतरिक्ष क्रांति का नया सबेरा?

इस वर्ष के शुरुआती छह महीनों के भीतर ही इसरो के 110 से अधिक वैज्ञानिकों ने इस्तीफा दे दिया या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) ले ली। यह संख्या सामान्य वार्षिक औसत से तीन गुना अधिक है। चिंताजनक बात यह है कि इस्तीफा देने वालों में यू.आर. राव उपग्रह केंद्र (यू.आर.एस.सी.) और विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वी.एस.एस.सी.) के 18 वरिष्ठ परियोजना निदेशक और मुख्य सिस्टम इंजीनियर शामिल हैं जो गगनयान और चंद्रयान-4 जैसे अति-संवेदनशील मिशनों की कमान संभाल रहे थे।

इस आकस्मिक स्थिति के तुरंत बाद 14 जुलाई 2026 को भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग ने एक आपातकालीन आंतरिक सर्कुलर जारी किया। इसके तहत ग्रुप ए के वैज्ञानिकों के इस्तीफे सीधे स्वीकार करने पर रोक लगा दी गई और अंतिम निर्णय का अधिकार इसरो केंद्र निदेशकों से छीनकर सीधे अंतरिक्ष विभाग को सौंप दिया गया।

अंतरिक्ष संगठन में इतने बड़े पैमाने पर हुए इस फेरबदल के केंद्र में भारत का तेजी से उभरता निजी स्पेस-टेक क्षेत्र है। वर्ष 2020 में अंतरिक्ष नीति में किए गए ऐतिहासिक सुधारों और इन-स्पेस के गठन के बाद भारतीय निजी एयरोस्पेस कंपनियों ने अपनी ताकत बढ़ाई। वर्ष 2024 से 2026 के बीच भारतीय स्पेस स्टार्टअप्स में लगभग 800 मिलियन डॉलर का विदेशी और घरेलू निवेश आया। अग्निकुल कॉस्मॉस, स्काईरूट एयरोस्पेस, पिक्सल और बेलाट्रिक्स जैसी स्वदेशी कंपनियों को अपने रॉकेट और उपग्रहों के निर्माण के लिए तैयार और अनुभवी कार्यबल की सख्त जरूरत थी।

निजी क्षेत्र इसरो के वैज्ञानिकों को आकर्षित करने के लिए पैसा के साथ ही कई अन्य अवसर भी दे रहे हैं। सरकारी वेतन आयोगों की तय सीमाओं में बंधा इसरो अपने वैज्ञानिकों को एक सीमा से अधिक आर्थिक लाभ नहीं दे सकता। इसके विपरीत, निजी स्टार्टअप्स इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिकों को 200 से 300 प्रतिशत तक अधिक वेतन वृद्धि, कंपनी में हिस्सेदारी और निर्णय लेने की पूर्ण स्वतंत्रता दे रहे हैं। इसके अलावा, कार्यसंस्कृति का अंतर भी एक प्रमुख वजह है। सरकारी प्रक्रियाओं, लालफीताशाही और लंबी औपचारिक अनुमतियों की तुलना में निजी कंपनियों में काम की रफ्तार बहुत तेज होती है। नई पीढ़ी के युवा वैज्ञानिक प्रशासनिक कागजी कार्रवाई में उलझने के बजाय लैब में काम करने और नए विचारों को तुरंत लागू करने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

इस स्थिति को केवल इसरो के नुकसान के रूप में देखना एक अधूरी तस्वीर होगी। वास्तव में, यह देश से प्रतिभा का पलायन नहीं है। यह प्रतिभा देश के भीतर ही एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा रही है। इसे ब्रेन ड्रेन के स्थान पर ब्रेन सर्कुलेशन कहना अधिक तर्कसंगत होगा। इसरो में सालों तक निखरी यह वैज्ञानिक दक्षता अब भारत के ही निजी उद्योगों को मजबूत कर रही है। इससे देश के समग्र अंतरिक्ष इकोसिस्टम का विस्तार ही हो रहा है। इस पूरे घटनाक्रम का एक सबसे दिलचस्प और महत्वपूर्ण पहलू इसरो के पूर्व दिग्गजों की रिवर्स भूमिका है। जिस तरह 1970 के दशक में विक्रम साराभाई ने इसरो की नींव रखी थी, ठीक उसी तर्ज पर आज इसरो के सेवानिवृत्त शीर्ष अधिकारी निजी अंतरिक्ष कंपनियों के संस्थापकों, बोर्ड सलाहकारों और मुख्य रणनीतिकारों की भूमिका निभा रहे हैं। जब इसरो के पूर्व निदेशक या वरिष्ठ अधिकारी किसी स्टार्टअप की कमान संभालते हैं तो वे इसरो के भीतर की कार्यसंस्कृति, तकनीकी जटिलताओं और प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों की क्षमताओं से भली-भांति परिचित होते हैं। नतीजतन, वे इसरो के सबसे योग्य और दक्ष वैज्ञानिकों की सटीक पहचान कर उन्हें अपनी नई परियोजनाओं के लिए आकर्षित करने में सफल हो रहे हैं।

लेकिन इसके सिक्के का दूसरा पहलू भी है। गगनयान जैसे मानव अंतरिक्ष मिशन और चंद्रयान-4 जैसी रणनीतिक परियोजनाओं के बीच में यदि कोई मुख्य परियोजना निदेशक हटता है, तो मिशन की गति धीमी पड़ना स्वाभाविक है। वर्षों का संचित अनुभव और संस्थागत ज्ञान रातों-रात नए व्यक्ति को हस्तांतरित नहीं किया जा सकता। इससे अभियानों की समय-सीमा प्रभावित होने का गंभीर जोखिम उत्पन्न हो जाता है।

प्रतापगढ़ में बायोफ्लॉक तकनीक से नीली क्रांति को मिली रफ्तार

उत्तर प्रदेश में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा मत्स्य पालन क्षेत्र को एक अग्रणी स्तंभ के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की दूरदर्शी नीतियों, आधुनिक तकनीकों के समावेशन और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से राज्य का मत्स्य क्षेत्र नीली क्रांति की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। राज्य सरकार द्वारा मत्स्य विकास को विशेष प्राथमिकता देते हुए 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' एवं 'मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना' का धरातल पर सफल संचालन किया जा रहा है। इन दूरगामी योजनाओं के माध्यम से न केवल राज्य में मछली उत्पादन में अभूतपूर्व और रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी आजीविका और स्वरोजगार के नए-नए साधन भी निरंतर सृजित हो रहे हैं।

प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का मुख्य ध्येय गांवों से होने वाले पलायन की समस्या पर प्रभावी अंकुश लगाना तथा ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाकर रोजगार देने वाला बनाना है। मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए राज्य भर में चलाए जा रहे अभियानों और कार्यक्रमों ने ग्रामीण युवाओं को स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का नया मार्ग दिखाया है। इसी क्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में चलाए जा रहे व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों, पारदर्शी प्रक्रियाओं तथा ऑनलाइन आवेदन प्रणालियों से एक सुदृढ़ व्यवस्था स्थापित की गई है। इस व्यवस्था के माध्यम से जरूरतमंद, पात्र और इच्छुक युवाओं तक योजनाओं का सीधा और पारदर्शी लाभ पहुँच रहा है। इसी क्रम में जनपद प्रतापगढ़ के विकास खंड सण्डवा चंद्रिका स्थित ग्राम कटका मानापुर के निवासी रणंजय सिंह ने मत्स्य पालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर क्षेत्र के अन्य युवाओं तथा किसानों के सामने एक उत्कृष्ट उदाहरण और प्रेरणा प्रस्तुत की है। पूर्व में पारंपरिक खेती-किसानी पर निर्भर रहने के कारण सीमित कृषि भूमि और निरंतर बढ़ती कृषि लागत के चलते उन्हें अपेक्षित आर्थिक लाभ नहीं मिल पा रहा था। पारंपरिक खेती से परिवार का भरण-पोषण तो हो जाता था, लेकिन आर्थिक प्रगति की गति अत्यंत धीमी थी। ऐसे समय में समाचार पत्रों, विभागीय प्रचार माध्यमों तथा विज्ञप्तियों के जरिए उन्हें मत्स्य पालन और विशेष रूप से बायोफ्लॉक तकनीक की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागीय योजनाओं के तकनीकी मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से प्रेरित होकर उन्होंने आधुनिक मत्स्य पालन को अपनाने का निश्चय किया। इसके उपरांत उन्होंने अपनी लगभग 0.10 हेक्टेयर निजी भूमि पर आधुनिक बायोफ्लॉक प्रणाली के तहत मत्स्य पालन इकाई की स्थापना का कार्य प्रारंभ किया। इस इकाई में पंगेशियस प्रजाति की मछलियों के पालन हेतु विभागीय स्वीकृति मिलने के उपरांत उन्होंने निजी बोरिंग, विद्युत संयोजन और सुरक्षित भंडारण जैसी आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का विकास किया। कम पानी और सीमित भूमि में अधिक उत्पादन देने वाली यह पर्यावरण-अनुकूल प्रणाली उनके लिए अत्यंत लाभदायक और प्रभावकारी साबित हुई।

चरणबद्ध तरीके से मत्स्य बीज का संचयन, वैज्ञानिक जल प्रबंधन और आहार नियंत्रण अपनाते हुए उनकी इस इकाई से औसतन 1.40 टन प्रति वर्ष मछली का उत्पादन प्राप्त होने लगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह पहल अत्यंत सफल और प्रेरणादायक सिद्ध हुई है। वर्तमान में उनकी इकाई पर लगभग 7 लाख रुपये की वार्षिक लागत आती है, जबकि उत्पादित मछली की बिक्री से प्रतिवर्ष लगभग 18 लाख रुपये तक की सकल आय अर्जित हो रही है।

जरा हटके

प्रदेश सरकार ने ...

अभिषेक सिंह

प्रदेश के विकास की मजबूत नींव में बेहतर सड़कें और पुल दे रहे हैं गति

किसी भी राज्य या राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक प्रगति उसकी सड़क एवं परिवहन व्यवस्था पर निर्भर करती है। सड़कें केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि वे विकास, निवेश, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और समृद्धि की आधारशिला होती हैं। जब किसी प्रदेश की सड़कें बेहतर होती हैं, तो किसान अपनी उपज समय पर मंडियों तक पहुँचा पाते हैं, उद्योगों को कच्चा माल और तैयार उत्पाद के परिवहन में सुविधा मिलती है, विद्यार्थियों को शिक्षा संस्थानों तक पहुँच आसान होती है तथा मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हो पाती हैं।

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और सर्वाधिक आबादी वाले राज्य में मजबूत सड़क नेटवर्क का महत्व और भी बढ़ जाता है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग ने आधारभूत संरचना के विकास को नई दिशा और नई गति प्रदान की है। वर्ष 2012 से 2017 तथा वर्ष 2017 के बाद की अवधि के तुलनात्मक आँकड़े इस परिवर्तन की स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। ये आँकड़े केवल निर्माण कार्यों की संख्या नहीं दर्शाते, बल्कि बदलती कार्यसंस्कृति, बेहतर योजना, प्रभावी निगरानी और परिणामोन्मुखी प्रशासन का भी प्रमाण हैं।

प्रदेश सरकार ने सड़कों के निर्माण एवं चौड़ीकरण को विकास की प्राथमिकता बनाया। इसी सोच का परिणाम है कि जहाँ 01 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2017 के बीच पाँच वर्षों में कुल 31,868 किलोमीटर सड़कों का

चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं नवनिर्माण किया गया था, वहीं 01 अप्रैल 2017 के बाद यह उपलब्धि बढ़कर 66,838 किलोमीटर तक पहुँच गई। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में सड़क निर्माण कार्यों को नई गति और व्यापक विस्तार मिला है।

वर्तमान समय में विभाग औसतन 20 किलोमीटर प्रतिदिन की गति से सड़कों का नवनिर्माण और चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण का कार्य कर रहा है। यह केवल गति का संकेत नहीं, बल्कि बेहतर परियोजना प्रबंधन, समयबद्ध क्रियान्वयन और संसाधनों के प्रभावी उपयोग का परिचायक भी है। इस व्यापक सड़क विकास का सबसे बड़ा लाभ प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों को मिला है। जिन गाँवों तक पहले पहुँचने में घंटों लग जाते थे, वहाँ अब बेहतर सड़क संपर्क के कारण आवागमन सुगम हुआ है। इससे कृषि उत्पादों के परिवहन की लागत कम हुई है, ग्रामीण बाजारों का विस्तार हुआ है तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिली है। साथ ही धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन स्थलों तक बेहतर पहुँच बनने से पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिला है, जिससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं।

सड़क निर्माण के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण रखरखाव पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। किसी भी सड़क का निर्माण जितना महत्वपूर्ण होता है, उसका समय-समय पर नवीनीकरण और रखरखाव उतना ही आवश्यक होता है। इसी दिशा में उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2012-2017 के दौरान 35,843 किलोमीटर सड़कों का नवीनीकरण किया गया था, जबकि वर्ष 2017 के बाद यह आँकड़ा बढ़कर 2,93,082 किलोमीटर तक पहुँच गया। यह लगभग 650 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि को दर्शाता है।

वार्षिक औसत में भी उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिलता है। पहले जहाँ प्रतिवर्ष औसतन 7,168 किलोमीटर सड़कों का नवीनीकरण किया जाता था, वहीं अब यह बढ़कर लगभग 31,413 किलोमीटर प्रतिवर्ष हो गया है। प्रदेश सरकार द्वारा बनाये जा रहे सड़क रखरखाव की गति पहले की तुलना में चार गुना से अधिक हो चुकी है। बेहतर सड़कें दुर्घटनाओं में कमी लाने के साथ-साथ वाहनों की ईंधन खपत घटाने, यात्रा समय कम करने तथा परिवहन लागत में कमी लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

इन सड़कों का सीधा प्रभाव स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन पर भी दिखाई देता है। आज एम्बुलेंस सेवाएँ, पुलिस, अग्निशमन दल और अन्य आपातकालीन सेवाएँ पहले की अपेक्षा कहीं अधिक तेजी से दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँच पा रही हैं। इससे न केवल लोगों की सुरक्षा बढ़ी है बल्कि अनेक परिस्थितियों में समय पर सहायता मिलने से जीवन भी बचाए जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में नदियाँ, नाले और जलधाराएँ हैं, जो अनेक स्थानों पर आवागमन में बाधा बनती रही हैं। ऐसे में पुलों का निर्माण केवल परिवहन सुविधा नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक एकीकरण का माध्यम भी है। पुल बनने से दो क्षेत्रों के बीच की दूरी कम होती है, व्यापारिक गतिविधियाँ तेज होती हैं और लोगों का समय तथा संसाधन दोनों बचते हैं। वर्ष 2012 से 2017 के बीच प्रदेश में 591 पुलों का निर्माण किया गया था। वहीं वर्ष 2017 के बाद दीर्घ, लघु एवं उपरिगामी निर्मित पुलो की संख्या लगभग दो हजार हो गई है। पुल निर्माण में लगभग तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई। वार्षिक औसत भी 118 पुल प्रति वर्ष से बढ़कर लगभग 211 पुल प्रति वर्ष हो गया। इससे अनेक ऐसे क्षेत्र, जो पहले बरसात के मौसम में कट जाते थे, अब पूरे वर्ष निर्बाध रूप से जुड़े रहते हैं। बेहतर सड़क और पुल नेटवर्क का सकारात्मक प्रभाव प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। परिवहन की लागत कम होने से उद्योगों और व्यापार को गति मिली है। कृषि उत्पाद तेजी से बाजार तक पहुँच रहे हैं, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य मिलने की संभावनाएँ बढ़ी हैं।

लखनऊ हाईकोर्ट ने राहुल गांधी आय से अधिक मामले में सीबीआई को फटकार लगाई

'ईडी को जांच में सबूत मिलते हैं तो कार्रवाई करे'

सुनवाई

- अदालत ने उन्हें भी चार सप्ताह का समय दिया।
- याचिकाकर्ता की दो नई अर्जियां रिकॉर्ड पर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की जांच की मांग वाली याचिका पर सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में सुनवाई हुई। कोर्ट ने CBI के दाखिल काउंटर एफिडेविट पर असंतोष जताते हुए कहा कि इससे जांच की प्रगति स्पष्ट नहीं हो रही है।

अदालत ने CBI को जॉइंट डायरेक्टर स्तर के अधिकारी से नया हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि ED ने शुरुआती कार्रवाई की है, अगर जांच में नए सबूत मिलते हैं तो कानून के मुताबिक आगे भी कार्रवाई करे। कोर्ट ने निर्देश दिया कि अगली सुनवाई से पहले CBI की ओर से ACHQ जोन, नई दिल्ली के जॉइंट डायरेक्टर/हेड ऑफ जोन स्तर के अधिकारी का नया काउंटर एफिडेविट दाखिल किया जाए, जिसमें जांच की प्रगति का स्पष्ट और विस्तृत विवरण हो। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) के काउंटर एफिडेविट का अवलोकन करने के बाद कहा कि एजेंसी ने आवश्यक कदम उठाए हैं। कोर्ट ने कहा कि यदि जांच के दौरान साक्ष्य और दस्तावेजों के आधार पर कोई अवैध गतिविधि सामने आती है तो ED कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है।

सीबीआई के जवाब से संतुष्ट नहीं हुआ कोर्ट

न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति बृज राज सिंह की खंडपीठ ने कहा कि CBI का काउंटर एफिडेविट 12 मई 2026 के आदेश के अनुरूप नहीं है। अदालत ने टिप्पणी की कि दाखिल हलफनामे से यह समझना संभव नहीं है कि CBI ने शिकायत पर अब तक क्या जांच की और उसकी क्या प्रगति हुई है?

केंद्र सरकार समेत अन्य एजेंसियों को चार सप्ताह का समय

सुनवाई के दौरान प्रतिवादी संख्या-6 की ओर से अधिवक्ताओं नीरव चित्रवंशी और अमर मणि तिवारी ने विस्तृत जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा, जिसे कोर्ट ने स्वीकार करते हुए चार सप्ताह का समय दिया। केंद्र सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एवं डिप्टी सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया एस.बी. पांडे ने प्रतिवादी संख्या 5, 7, 8, 9 और 10 की ओर से विस्तृत काउंटर एफिडेविट दाखिल करने के लिए समय मांगा।

मामला अब 'पार्ट-हर्ड', 20 अगस्त को अगली सुनवाई

कोर्ट ने कहा कि इस मामले की लंबी सुनवाई हो चुकी है, इसलिएC अगली तारीख पर इसे पार्ट हर्ड के रूप में इसी खंडपीठ के समक्ष सुना जाएगा। इसके लिए मुख्य न्यायाधीश से आवश्यक प्रशासनिक आदेश प्राप्त किए जाएंगे। मामले की अगली सुनवाई 20 अगस्त 2026 को दोपहर बाद चैंबर में होगी।

> हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि सोमवार को दाखिल सभी आवेदनों को आवेदन संख्या आवंटित करने के बाद पूरा रिकॉर्ड फिर से सीलबंद लिफाफे में वरिष्ठ रजिस्ट्रार की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा जाए।

पुलिस ने बीजेपी ब्लॉक प्रमुख के भतीजे की भैंस खोजी

150 सीसीटीवी कैमरे खंगालकर चोर को दबोचा

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। निगोहां पुलिस ने 48 घंटे के भीतर पशु चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी की गई दो भैंसें भी बरामद की हैं, जिनमें से एक भाजपा के ब्लॉक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला के भतीजे अभिषेक शुक्ला की है।

थानाध्यक्ष रवींद्र कुमार ने बताया कि बाजपेई खेड़ा निवासी अभिषेक शुक्ला और पश्चिम गांव निवासी वंश दीपक अवस्थी की भैंसें चोरी हुई थीं। पुलिस ने घटना के खुलासे के लिए 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

रवींद्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने बाराबंकी निवासी राजन को जंगल-मंगल तिराहे के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथियों दिलीप उर्फ छोटू और देवराज के साथ मिलकर चोरी करने की बात कबूल की। पुलिस ने दोनों चोरी की गई भैंसें भी बरामद कर ली हैं। फरार चल रहे दोनों अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। गिरफ्तार आरोपी राजन पर पहले से चोरी, लूट और एनडीपीएस एक्ट सहित पांच मुकदमे दर्ज हैं। उन्होंने चोरी का खुलासा करने वाली टीम थानाध्यक्ष निगोहां रवींद्र कुमार, एसआई कुलदीप कुमार, चंदन यादव और कांस्टेबल रोहित, जावेंद्र, रजकरन को अंगवस्त्र और मां विंध्यवासिनी की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया।

- ब्लॉक प्रमुख ने पुलिस टीम को सम्मानित किया

फास्ट न्यूज

लखनऊ में करंट लगने से 19 वर्षीय युवक की मौत

मोहनलालगंज । तेलीबाग स्थित शनि मंदिर के पास मंगलवार सुबह करीब 7 बजे हुए दर्दनाक हादसे में 19 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौत हो गई। युवक चाय की दुकान से मसाला लेने पास की पान की गुमटी पर गया था। गुमटी के पास लगे बिजली के पोल में उतरे करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। उसे तत्काल पीजीआई ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

लखनऊ में यात्री बसों की आड़ में जीएसटी चोरी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में राज्य कर विभाग और परिवहन विभाग के संयुक्त अभियान 'ऑपरेशन कवच' के दौरान जीएसटी चोरी के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। जांच टीम ने दिल्ली से उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में व्यापारिक माल ले जा रही नौ लग्जरी यात्री बसों को पकड़कर बड़ी कार्रवाई की।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि बसों के जरिए बिना ई-वे बिल और अन्य वैध दस्तावेजों के भारी मात्रा में व्यापारिक माल की ढुलाई की जा रही थी। विभाग का अनुमान है कि बसों से करीब 300 बोरे संदिग्ध माल बरामद हुआ है, जिस पर कर चोरी का मामला बनता है।

हाईवे रूट की बसों का किराया 14 रुपए घटा

लखनऊ । लखनऊ से कानपुर हाईवे के रास्ते संचालित होने वाली रोडवेज बसों में सफर अब पहले से सस्ता होगा। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने हाईवे रूट की बसों का किराया 14 रुपए कम कर दिया है। संशोधित किराया मंगलवार से लागू हो गया है। वहीं एक्सप्रेसवे के रास्ते चलने वाली बसों का किराया टोल शुल्क के कारण सामान्य बसों की तुलना में अधिक रहेगा।

पशुओं के चारे की उपलब्धता पर महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में आज विधान सभा स्थित समिति कक्ष संख्या-44-ख में प्रदेश में पशुओं को चारा उपलब्ध कराए जाने के संबंध में एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य में गोवंश एवं अन्य पशुओं के लिए चारे की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना और इस दिशा में आवश्यक रणनीति तैयार करना था। इस बैठक के दौरान चंडीगढ़ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश उन्नाव के वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञों द्वारा कृषि, पशुपालन और पर्यटन एकीकृत विकास मॉडल के विषय में प्रेजेंटेशन दिया गया। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री श्री जयवीर सिंह तथा पशुपालन मंत्री श्री धर्मपाल सिंह ने प्रस्तुतीकरण कर रहे प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि सुझावों की विस्तृत समीक्षा कर सहयोग के लिए कार्य योजना बनाई जाएगी।

इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव पशुपालन श्री मुकेश मेश्राम, प्रमुख सचिव कृषि श्री रवींद्र, महानिदेशक उपकार डॉ. संजय सिंह, निदेशक कृषि डॉ. पंकज त्रिपाठी तथा चंडीगढ़ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश उन्नाव के वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

बंद मकान में लाखों की चोरी हरिद्वार गया परिवार

दुबग्गा। लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र में एक सूने मकान में चोरी हो गई। चोरों ने ताले तोड़कर जेवरात, नकदी और अन्य कीमती सामान चुरा लिया। यह घटना तब हुई जब मकान मालिक परिवार सहित हरिद्वार दर्शन के लिए गए हुए थे। पीड़ित ने पारा थाने में तहरीर दी है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। कुंदन बिहार, डिप्टी खेड़ा निवासी पवन कुमार वर्मा 18 जुलाई को अपने परिवार के साथ हरिद्वार गए थे। 21 जुलाई की सुबह 7 बजे मोहल्ले के लोगों ने उन्हें फोन पर सूचना दी कि उनके घर का मुख्य दरवाजा खुला है और ताले टूटे पड़े हैं। सूचना मिलने पर पवन कुमार ने अपने छोटे भाई अमन को घर भेजा।

अमन जब मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि मुख्य गेट के अलावा घर के अंदर के सभी कमरों के ताले और इंटरलॉक टूटे हुए थे। अलमारी और लॉकर भी क्षतिग्रस्त पाए गए। अमन ने तत्काल डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी और घटनास्थल का वीडियो भी बनाया।

स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आजीविका के अवसर सृजित हो रहे हैं-जयवीर सिंह

गंगा तटीय विरासत को पर्यटन से जोड़े

ग्रामीण पर्यटन को एग्री रूरल एवं गंगेग्राम रूरल टूरिज्म परियोजना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रही है गति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की घोषणाओं के अनुरूप पर्यटन विभाग द्वारा एग्री रूरल एवं गंगेग्राम रूरल टूरिज्म परियोजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश के चयनित ग्रामों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। इस अनूठी पहल का उद्देश्य ग्रामीण संस्कृति, लोक कला, कृषि आधारित अनुभव एवं लोक जीवन के साथ गंगा तटीय विरासत को जोड़ते हुए स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आजीविका को बढ़ावा देना है। परियोजना के अंतर्गत पर्यटन ग्रामों में होम-स्टे, फार्म-स्टे, पर्यटन की आधारभूत संरचनाओं को विकास तथा स्थानीय महिलाओं, युवाओं, होम-स्टे संचालकों एवं अन्य

हितधारकों का कौशल विकास किया जा रहा है। इससे ग्रामीण पर्यटन को एक मजबूत आधार मिल रहा है।

यह जानकारी मंगलवार को प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि पर्यटन अब शहरों की ओर से चलकर गांवों की ओर अग्रसर है, इससे युवा पीढ़ी जुड़ रही है, क्योंकि पर्यटन में रोजगार के साथ स्थानीय स्तर पर रोजी-रोटी की असीमित संभावनाएं हैं। परियोजना को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय पहचान प्राप्त हुई है। वर्ष 2024 में पूरा महादेव जनपद बागपत को पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा बेस्ट टूरिज्म विलेज तथा वर्ष 2025 में जनपद बहराइच के कारीकोट गांव को इण्डियन सबकान्टिनेन्ट रिस्पांस्बुल टूरिज्म एवार्ड से सम्मानित किया गया है।

> जयवीर सिंह ने बताया कि इसी प्रकार राधा माधव होम-स्टे जनपद प्रतापगढ़ एवं सप्त सरोवर पीलीभीत को बेस्ट होम-स्टे तथा रुबन रिजॉर्ट जनपद गाजियाबाद, लिविंग ग्रीन फार्म्स प्रयागराज एवं मड हाउस फार्म स्टे आगरा को बेस्ट फार्म स्टे के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

उत्तर प्रदेश में पर्यटन के सामर्थ्य एवं संसाधन दोनों मौजूद

पर्यटन मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में पर्यटन के सामर्थ्य एवं संसाधन दोनों मौजूद हैं। अच्छी कानून व्यवस्था एवं आवागमन के बेहतर साधन होने के कारण अब देशी-विदेशी पर्यटक कई पर्यटक स्थलों का भ्रमण कर पा रहे हैं। इसके साथ ही पर्यटकों का ठहराव के साथ-साथ पर्याप्त कमरे की भी व्यवस्था है। यह सारे कारक मिलकार उत्तर प्रदेश को पर्यटन की दृष्टिकोण से उचाइयों पर ले जा रहे हैं। वर्ष 2025 में 01 अरब 58 करोड़ से अधिक पर्यटकों का आगमन संभव हो सका है।

आगामी त्योहारों के दृष्टिगत कहीं पर भी मदिरा से जनहानि की अप्रिय घटना न होने पाये

अवैध मदिरा व कच्ची शराब की आपूर्ति की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाए

तमसा संकेत, संवाददाता

आबकारी मंत्री ने विभागीय समीक्षा कर अधिकारियों को दिये सख्त निर्देश

- वर्तमान वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही (अप्रैल से जून) में 15,809.25 करोड़ रुपए मिला राजस्व
- गत वर्ष इसी दौरान 14,228.91 करोड़ रुपए प्राप्त राजस्व से 116.05 प्रतिशत अधिक
- वित्तीय वर्ष 2026-27 में (अप्रैल से जुलाई) अब तक 18,655.23 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त -आबकारी मंत्री श्री नितिन अग्रवाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नितिन अग्रवाल ने आबकारी विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि आगामी त्योहारों के दृष्टिगत कहीं पर भी मदिरा से होने वाली जनहानि की अप्रिय घटना न होने पाये। जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें, जहां कहीं से भी अवैध मदिरा व कच्ची शराब की आपूर्ति की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाए। प्रदेश के सीमावर्ती राज्यों से जुड़े जिलों में प्रवर्तन की प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। खासतौर से पूर्वांचल, बुंदेलखण्ड और पश्चिम क्षेत्र के संवेदनशील जिलों में विशेष सतर्कता बरती जाए। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता व लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आबकारी मंत्री मंगलवार को लखनऊ में डालीबाग स्थित गन्ना संस्थान के सभागार में आबकारी विभाग के राजस्व प्राप्ति की प्रथम त्रैमासिक प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आबकारी विभाग प्रदेश में सर्वाधिक राजस्व अर्जित करने वाला विभाग ही नहीं है बल्कि पिछले साढ़े चार वर्षों में मदिरा से किसी भी प्रकार की जनहानि जैसी अप्रिय घटना घटित नहीं हुई है, जिसका श्रेय विभाग के सभी अधिकारियों को जाता है। इसी प्रकार पूरी संवेदनशीलता और टीम भावना के साथ कार्य करना है, जिससे शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जा सके। मदिरा की ओवररेटिंग से संबंधित आने वाली शिकायतों पर भी सख्त कार्रवाई की जाए। आबकारी मंत्री ने सभी जिला आबकारी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व प्राप्ति पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कुल 71,278 करोड़ रुपए राजस्व प्राप्ति का एक बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है।

शर्मा जी टी स्टॉल के मालिक का बेटा गिरफ्तार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज इलाके में स्थित स्पैरो रिजॉर्ट में पार्टी के दौरान हुई हर्ष फायरिंग के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी शर्मा टी स्टाल के मालिक के बेटे गौरव शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। न्यायिक अभिरक्षा में उसे जेल भेज दिया गया। 2 अन्य लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। इस मामले की विवेचना में लापरवाही पाए जाने पर कनकहा चौकी इंचार्ज उपनिरीक्षक निमेश दुबे निलंबित किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, सीतापुर निवासी जितेंद्र सिंह ने 20 जुलाई को मोहनलालगंज थाने में तहरीर देकर बताया था कि 19 जुलाई की रात मदाखेड़ा स्थित स्पैरो रिजॉर्ट में गौरव शर्मा ने रिंकू तिवारी उर्फ आशीष तिवारी के माध्यम से पार्टी आयोजित की थी। पार्टी के दौरान कुछ लोगों ने खुलेआम हर्ष फायरिंग की, जिससे वहां मौजूद लोगों की जान खतरे में पड़ गई।

बीपी की दवा खाई तो पड़ सकता है हार्ट अटैक

नकली दवाएं ज्यादा बीमार कर देंगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । कहीं आपको ऐसा तो नहीं लग रहा है कि आप मां का इलाज करा रहे हैं लेकिन उनकी तबीयत में सुधार नहीं हो रहा है? अगर ऐसा है तो सावधान हो जाइए। सावधान इसलिए भी हो जाइए कि आप जो बीपी की दवा खा रहे हैं, उससे हार्ट अटैक पड़ सकता है। इसका मतलब है दवा नहीं लेंगे तो परेशान हो सकते हैं और अगर दवा खा ली तो जान पर भी बन आ सकती है।

हम आपको डरा नहीं रहे हैं, बल्कि सावधान कर रहे हैं। दरअसल, लखनऊ की दवा मंडी अमीनाबाद, बीकेटी और गोंडा जिले में औषधि प्रशासन के अधिकारियों को छापे में लाखों की नकली दवाएं मिली हैं। ये दवाएं आप डॉक्टर की लिखी पर्ची पर लाते हैं, लेकिन

आपको मेडिकल स्टोर से स्पेलिंग में गलती, फर्जी बैच नंबर के साथ डुप्लीकेट दवा मिल जाती है।

बीते दिनों हुई छापेमारी के दौरान जितनी भी दवाएं पकड़ी गईं, उनमें ज्यादातर ऐसी हैं, जिन्हें करीब हर दूसरा व्यक्ति सेवन कर रहा है। यानी उनमें ज्यादातर बुखार, जुकाम, सर्दी, नॉर्मल इन्फेक्शन, सूजन आदि की दवाएं शामिल हैं।

सीनियर कंसल्टेंट डॉ. नीरज मिश्र के अनुसार,ब्लड प्रेशर की दवा असर न करने पर हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है।

कार्रवई : पन्नी का सौदा कर ढाई लाख रुपए मंगाया, फरार आरोपी की तलाश जारी

कारोबारी को बुलाकर लूटने वाले 3 गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में एक डिस्पोजल कारोबारी को पन्नी का सौदा करने के बहाने बुलाकर लूट करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बदमाशों ने ढाई लाख रुपए की लूट की थी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस आरोपियों की तलाश में लगी थी।

पारा के कुंदन बिहार डिप्टी खेड़ा निवासी महेंद्र कुमार ने पुलिस को बताया कि उनकी एकता नगर चौराहा, ठाकुरगंज में डिस्पोजल दोना-पन्नी की दुकान है। कुछ दिन पहले एक व्यक्ति, जिसने अपना नाम शेख बताया था, उनकी दुकान पर आया और करीब ढाई लाख रुपये की पन्नी खरीदने का सौदा तय किया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान नदिया वेस्ट बंगाल निवासी मोहन शेख पुत्र सौरभ शेख (38) हाल पता जेजे कालोनी बवाना नोर्थ वेस्ट दिल्ली, उत्तर चौबीस परगना, पश्चिम बंगाल निवासी सोहेल (29) पुत्र मोती शेख हाल पता सरवर स्कूल वाली गली बडी पकरिया खदरा मदेयगंज और नदिया वेस्ट बंगाल निवासी राकिब (28) के रूप में हुई। आरोपियों के कब्जे से लूटे गए रुपयों में से कुल 1,92,000 बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपी मोहन शेख से पूछताछ में बताया कि अपने साथियों के साथ मिलकर दुकानदारों को सस्ते दामों पर सामान उपलब्ध कराने का झांसा देते थे। दुकानदारों को विश्वास में लेने के बाद उन्हें किसी सुनसान स्थान पर बुलाते थे और वहां अपने साथियों के साथ मिलकर उनके पास मौजूद रुपये लूटकर फरार हो जाते थे।

> आरोपी ने 20 जुलाई को उन्हें माल देने और भुगतान लेने के लिए दोपहर में संझियाघाट, खदरा मदेयगंज बुलाया। वह तय स्थान पर रुपए लेकर पहुंचे तो वहां पहले से मौजूद शेख और उस-के दो साथियों ने उन्हें डराकर बैग में रखे ढाई लाख रुपए छीन लिए और मौके से फरार हो गए।

200 सीसीटीवी चेक किए

पीड़ित ने बताया कि उन्होंने आरोपियों का पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन वे हाथ नहीं आए। इसके बाद शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की तलाश कर रही थी। टीमें आसपास लगे 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही थी।

इसके साथ ही टेक्निकल साक्ष्यों, स्थानीय जानकारी एवं मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। मंगलवार करीब 11:30 बजे पुलिस टीम ने पक्का पुल के नीचे गोमती नदी की तरफ मदेयगंज से तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

आरोपियों से कैश बरामद हुआ है।

कांग्रेस ने जन भवन घेरा

पीएम मोदी की तस्वीर पर स्याही डाली, धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो के नारे लगाए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में मंगलवार को जन भवन के बाहर कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का पीएम मोदी के घर के बाहर हो रहे प्रदर्शन को समर्थन दिया। प्रदर्शन से पहले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को जन भवन आने से रोक लिया गया।

उन्हें हिरासत में लेकर इको गार्डन भेजा गया। अजय राय को हिरासत में लिए जाने के 1 घंटे के बाद कांग्रेस शहर कमेटी के अध्यक्ष शहजाद आलम और अन्य कार्यकर्ता जन भवन पहुंचे और जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान उनकी पुलिस से तीखी नोकझोंक हुई। पुलिस प्रदर्शनकारियों को बसों में बैठाकर ईको गार्डन ले गई। प्रदर्शन में शामिल रवि ने कहा कि वह एक छात्र हैं। छात्रों के हितों के मुद्दों पर आज जन भवन घेरने आए हैं। NEET की परीक्षा और पेपर लीक के मुद्दे पर धर्मेंद्र प्रधान तत्काल इस्तीफा दें।

'दिल्ली में राहुल गांधी और लखनऊ में हम लोग कर रहे संघर्ष'

प्रदर्शनकारियों ने पीएम मोदी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा। प्रदर्शन कर रहे डॉक्टर शहजाद ने कहा कि लगातार यह सरकार छात्रों के अधिकारों का हनन कर रही है। सोमवार कुछ इस तरह से दिल्ली में छात्रों पर बर्बरता पूर्वक लाठी बरसाई गई उन्हें चोट पहुंचाई गई यह बेहद शर्मनाक।

हमारे नेता राहुल गांधी दिल्ली में यह लड़ाई लड़ रहे हैं और हम तमाम कार्यकर्ता लखनऊ में छात्रों के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

गाजियाबाद में भाई के साथ की वारदात, डांटने पर भड़के, हथौड़े से सिर कूचा

बर्थडे बॉय ने माता-पिता को पीट-पीटकर मार डाला

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। यूपी के गाजियाबाद में 2 बेटों ने मां और पिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी। सोमवार रात 11 बजे बर्थडे पार्टी से लौटने के बाद दोनों बेटे झगड़ा कर रहे थे। माता-पिता ने उन्हें डांट लगाई तो भड़क गए। गुस्से में माता-पिता को लात-घूसों से पीटकर अधमरा कर दिया। फिर हथौड़े से सिर कूच दिया।

चीख-पुकार सुनकर किराएदार ने पुलिस बुला ली। पुलिस ने दोनों बेटों को हिरासत में ले लिया। माता-पिता को अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र की है।

आरोपियों के मामा ने बताया- सोमवार को बड़े भांजे का जन्मदिन था। दिन में परिवार ने उसका जन्मदिन मनाया। रात में उसने छोटे भाई के साथ मिलकर अपने मां-बाप को मार डाला। पुलिस के मुताबिक, गंगाशरण (55) मूलरूप से बुलंदशहर में बीबीनगर के सठला गांव के रहने वाले थे।

शराब पीकर घर आए तो मां-बाप ने डांट लगाई

ललित ने पुलिस पूछताछ में बताया कि दीपक के साथ शराब पीने बाहर गया था। पैसों को लेकर हमारा झगड़ा हो गया। इस वजह से घर लौटने में देर हो गई। घर आकर भी हमारे बीच बहस होती रही। शोर-शराबा सुनकर मां कमरे से बाहर आई और हमें डांटने लगी। आवाज सुनकर पिता भी आ गए। उन्होंने भी हम दोनों को खरी-खोटी सुनाना शुरू कर दिया। नशे में होने की वजह से हम दोनों ने उन्हें धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। उन्हें पीटने लगे। मां बचाने आई तो उन्हें भी खूब मारा।

डीसीपी सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया- दोनों आरोपियों से अलग-अलग पूछताछ की जा रही है। बाद में दोनों के बयानों को क्रॉसचेक किया जाएगा, ताकि विवाद की असली वजह पता चल सके।

किराएदार बोला- दोनों बेटे अक्सर मां-बाप से झगड़ा करते

किराएदार जगबीर ने बताया- मैं अक्टूबर 2025 से इस मकान में रह रहा हूं। पहले भी दोनों बेटे अपने मां-बाप से झगड़ा करते रहते थे। रात में जब शोर-शराबे की आवाज सुनी तो झांक कर देखा। सीढ़ियों का गेट बंद था। काफी देर तक खड़े होकर सबकुछ सुनता रहा। फिर पुलिस को सूचना दी। 10 मिनट के अंदर ही पुलिस आ गई। दोनों बेटों को भागने का मौका ही नहीं मिला।

20 साल से भीमनगर मोहल्ले के 2 मंजिला मकान में रहते थे।

मामा बोले- ललित का बर्थडे था, दिन में कीर्तन हुआ

दीदी-जीजा की मौत की खबर सुनकर आए लेखराज ने बताया- मैं मूलरूप से अलीगढ़ का रहने वाला हूं। गाजियाबाद के विजय नगर में परिवार के साथ रहता हूं। सोमवार को दिन में दीदी ने बड़े बेटे के लिए कीर्तन कराया था। उसके बाद दोनों लड़के शाम को अपने दोस्तों के साथ पार्टी करने चले गए। वापस आए तो बवाल मचा दिया। उन्होंने बताया- रात 12 बजे पुलिस ने सूचना दी। मैं पहुंचा तो दीदी-जीजा की हालत देखकर सन्न रह गया। शवों को देखकर ऐसा लग रहा था कि उनके सिर को फर्श पर पटका गया था। उन्होंने बताया कि दीदी-जीजा बहुत ही सज्जन थे। अपने शराबी बेटों से परेशान रहते थे।

रूस के मिसाइल हमले में देवरिया के युवक की मौत

मां बोली- मेरा बेटा कोई वापस ला दो

तमसा संकेत, एजेंसी

देवरिया। 'मेरी एक ही औलाद थी। मेरा हीरा बेटा था। खानदान में किसी ने पढ़ाई-लिखाई नहीं की थी। मैं कैसे उसे भूल जाऊं। मेरा बेटा कोई वापस ला दो।'

यह कहना है, यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह पर रूसी हमले में जान गंवाने वाले अभिषेक निषाद की मां का। देवरिया का रहने वाला अभिषेक अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी 19 जुलाई को मौत हो गई थी।

बेटे की मौत के बाद से मां का रो-रोकर बुरा हाल है। घर आने वाले हर शख्स से मां एक ही बात कह रही- मेरे बेटे को कोई वापस ला दो। फिर रोते-रोते बेहोश हो जाती है। अभिषेक के पिता एक हाथ से पत्नी को ढांढस बंधाते हैं, तो दूसरे हाथ से अपने आंसू पोंछ लेते हैं।

बड़ी बहन बेसुध पड़ी है, पूछने पर भी कुछ बोलती नहीं। छोटी बहन से जब भाई का जिक्र किया जाता है, तो वह फूट-फूटकर रोने लगती है। कहती है- मेरा एक ही भाई था। अब मैं किसकी कलाई पर राखी बाधूंगी।

अभिषेक तुर्की के 'गोल्डन लिओ' शिप पर सीमैन (नाविक) था। शिप यूक्रेन से सामान लेकर सीरिया जा रहा था। 19 जुलाई (रविवार) को रूस ने हमला कर दिया, जिसमें अभिषेक की मौत हो गई थी। सोमवार को शिपिंग कंपनी के एजेंट ने फोन कर घरवालों को अभिषेक की मौत की सूचना दी थी।

फास्ट न्यूज

आगरा में मंदिरों पर 26 करोड़ खर्च करेगी सरकार

आगरा। मंदिरों के विकास के सहारे ब्रज क्षेत्र में भाजपा अपनी जड़ें और मजबूत करने में जुटी है। यही वजह है कि भाजपा सरकार ने एक बार फिर से आगरा के मंदिरों के लिए अपने खजाने का मुंह खोल दिया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के प्रमुख धार्मिक स्थलों के विकास के लिए 26 करोड़ रुपये से अधिक के कार्य प्रस्तावित किए गए हैं।

कानपुर में क्रेन से 51 किलोग्राम की माला पहनाई

कानपुर। कानपुर में भाजपा किसान मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह चौधरी का मंगलवार दोपहर 1.20 बजे भव्य स्वागत किया गया। जाजमऊ चेकपोस्ट पर कार्यकर्ताओं ने उन्हें 51 किलो की माला पहनाई।

स्वागत के दौरान फूलों की वर्षा, आतिशबाजी और नारेबाजी की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा और किसान मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद रहे। आयोजन के दौरान उन्नाव की ओर करीब 2 किलोमीटर लंबा जाम भी लग गया।

आगरा में कारोबारी की 36 लाख की चांदी गायब

आगरा। आगरा के नमक की मंडी क्षेत्र से चांदी कारोबारी से धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। चांदी कारोबारी ने करीब 36 लाख रुपये कीमत की चांदी की पायल कोरियर के दौरान गायब होने का आरोप लगाया है। इस मामले में पीड़ित कारोबारी की तहरीर पर कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से भिड़े किसान

अमेरिका से ट्रेड डील का विरोध करने दिल्ली जा रहे थे

रोक

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में पुलिस और किसानों के बीच धक्का-मुक्की हो गई। मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे किसान दिल्ली की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन पुलिस ने गाजीपुर बॉर्डर पर बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया।

किसान आगे बढ़ने की जिद पर अड़ गए और बैरिकेडिंग हटाने की कोशिश करने लगे। इस दौरान किसानों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। 20 मिनट तक मौके पर गहमा-गहमी का माहौल रहा। बाद में अधिकारियों ने किसानों को शांत कराया। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील के विरोध में देशभर के किसानों ने मंगलवार को दिल्ली के किसान घाट तक कूच का ऐलान किया था। इसी प्रदर्शन में शामिल होने यूपी के किसान भी दिल्ली जा रहे थे। इसे देखते हुए दिल्ली-यूपी के गाजीपुर बॉर्डर पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस किसानों को आगे बढ़ने नहीं दे रही है।

एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर/ट्रैफिक राज करन नैयर ने बताया- दिल्ली से सटे यूपी गेट और लोनी समेत 6 बॉर्डर हैं। सभी पॉइंट पर अलग-अलग पुलिस फोर्स तैनात की गई है। यातायात व्यवस्था बाधित न हो, इसलिए यातायात को सुचारू तरह से चलाया जा रहा है। जो किसान आए थे, उन्हें भी समझा-बुझाकर कुछ देर बाद वापस गाड़ियों से भेज दिया गया। यूपी गेट और अलग-अलग स्थानों पर पुलिस के 700 जवान तैनात किए गए हैं। ट्रैफिक व्यवस्था के लिए एक एसीपी, 3 इंस्पेक्टर और एक एडिशनल डीसीपी को अलग से जिम्मेदारी दी गई है।

हाथों में ज्वार लेकर पहुंचे, कमिश्नर को चेतावनी- 10 मिनट में बाहर नहीं निकले तो गेट टूटेंगे

मेरठ में 2000 से अधिक किसानों ने कमिश्नरी घेरी

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में अपनी लंबित मांगों को लेकर अपने हाथों में गन्ना लेकर किसानों ने कलेक्ट्रेट का घेराव करना शुरू कर दिया है। मंगलवार करीब सवा 11 बजे करीब 2000 किसान अभी कमिश्नर आफिस के बाहर पहुंच गए हैं। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए कमिश्नर ऑफिस के मेन गेट पर ताला लगवा दिया गया है। इस दौरान भारी पुलिस फोर्स तैनात है।

करीब साढ़े 12 बजे भाकियू टिकैत संगठन के जिलाध्यक्ष अनुराग चौधरी ने धरने के दौरान प्रशासन को चेतावनी दे डाली। कहा- तानाशाह अधिकारियों के लिए खुली चेतावनी है। हम यहां 2 घंटे से धरने पर हैं और कोई ध्यान नहीं दे रहा है। अगर 10 मिनट में कमिश्नर ने ज्ञापन स्वीकार नहीं किया। नहीं तो किसके गेट टूटेंगे और क्या होगा नहीं पता। हालांकि थोड़ी देर में ही कमिश्नर के प्रतिनिधि पहुंचे और किसानों ने उन्हें ज्ञापन सौंप दिया। इसके बाद वहां से 500 मीटर दूर हाथों में ज्वार की फसल लेकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां अपने ट्रैक्टर खड़े करके धरने पर बैठ गए।

कलेक्ट्रेट पर किसानों की डीएम को चेतावनी

मेरठ कलेक्ट्रेट पर किसान कंधों पर हल लेकर भर पहुंचे है। किसानों का प्रदर्शन शुरू हो गया है। किसानों ने ऐलान कर दिया है कि जब तक समस्याओं का निस्तारण करने के लिए जिलाधिकारी आकर ज्ञापन नहीं लेंगे तब तक हम यही बैठेंगे।

कमिश्नर ऑफिस पर धरना देने के बाद किसान कलेक्ट्रट के बाहर पहुंच गए हैं। यहां पर अब धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

> **भोजन के बाद भाकियू कार्यकर्ता पंचायत स्थल पर पहुंच गए हैं। इसके बाद धरना स्थल पर एडीएम सिटी बृजेश सिंह और एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले भाकियू जिला अध्यक्ष अनुराग चौधरी से बात करने के लिए पहुंचे। किसान नेता और अफसरों के बीच बात हो रही है।**

कार काटकर शव निकाले गए, हरियाणा से अयोध्या रामलला के दर्शन के लिए निकले थे

आगरा में कैंटर में जा घुसी कार, 2 दोस्तों की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में सोमवार देर रात करीब 1 बजे तेज रफ्तार कार और कैंटर के बीच टक्कर से दो दोस्तों की मौत हो गई। कार कैंटर में फंसकर करीब 100 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसा आगरा के फतेहाबाद-बाह मार्ग पर 'बाबा की तिबरिया' के पास हुआ।

हादसे के बाद कैंटर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने हाइड्रा मशीन की मदद से कार को काटकर शवों को बाहर निकाला गया। हरियाणा के रहने वाले दोनों मृतक कार से अयोध्या राम मंदिर दर्शन के लिए निकले थे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर होकर कैंटर के अगले हिस्से में फंस गई। करीब 100 मीटर तक घिसटती चली गई। सूचना मिलते ही थाना फतेहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची।

कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण शवों को निकालना आसान नहीं था। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने हाइड्रा मशीन की मदद से कार को काटकर शव को बाहर निकाला गया। इसके बाद दोनों शवों को बाहर निकाला।

हादसे के तुरंत बाद कैंटर चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस ने कैंटर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश के लिए टीमें गठित कर दी हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दोनों दोस्त मिलकर एक जिम चलाते थे

फरीदाबाद जिले के जाजऊ गांव के रहने वाले नितिन (38) और पलवल के रहने वाले रुपेश (40) दोनों दोस्त थे। दोनों एक साथ मिलकर बल्लभगढ़-फरीदाबाद के सीकरी क्षेत्र में जिम चलाते थे। परिजनों के अनुसार, दोनों सोमवार को घर से अयोध्या राम मंदिर के दर्शन के लिए निकले थे। सोमवार रात फतेहाबाद थाना क्षेत्र में उनकी कार की कैंटर से टक्कर हो गई। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

> **फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया- पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और वाहन के नंबर के आधार पर हादसे के कारणों की जांच कर रही है। फरार कैंटर चालक की तलाश जारी है और मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।**

2 पत्नियों के साथ 3-3 दिन रहेगा पति सातवें दिन मनमर्जी करेगा

पहली बीवी की शिकायत पर पंचायत ने सुनाया फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर। रामपुर में पंचायत ने अनोखा फरमान सुनाया है। एक युवक को दो पत्नियों के बीच 3-3 दिन के लिए बांट दिया है। हफ्ते के आखिरी दिन यानी वीकेंड पर पति को उसकी मर्जी पर छोड़ा गया है, जिसमें वह जिसके साथ भी रहना चाहे, रह सकता है।

यह फैसला पहली पत्नी की शिकायत पर पंचायत ने सोमवार शाम करीब 3 बजे सुनाया। पीड़ित ने खर्च न मिलने पर पुलिस से शिकायत की थी। पुलिस की पहल पर गांव के लोगों ने पंचायत के जरिए सुलह कराई। मामला जिला मुख्यालय से करीब 30 किमी दूर टांडा थाना क्षेत्र का है।

पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही थी। उससे पहले ही गांव में पंचायत बैठ गई। 3-4 घंटे चली पंचायत के बाद पंचों ने अपना फैसला सुनाया। पंचायत ने कहा कि युवक को हफ्ते में तीन-तीन दिन दोनों पत्नियों के साथ रहना होगा। सप्ताह का एक दिन पति की मर्जी पर निर्भर रहेगा। इसके अलावा उसे पहली पत्नी के घर महीने भर का राशन और 2000 रुपये का खर्च भी देना होगा। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों ने पंचायत के फैसले को स्वीकार कर लिया है।

युवक ने 4 साल पहले दूसरी शादी की थी

दढ़ियाल नगर पंचायत के रहने वाले नजाकत की शादी 14 साल पहले उत्तराखंड की अशरा से हुई थी। उसकी दो बेटियां हैं। करीब 4 साल पहले युवक ने नेहा से दूसरी शादी कर ली। उसका कहना था कि अशरा से बेटा नहीं हो रहा है। हालांकि नेहा से भी उसे दो बेटियां ही हुईं। पति नेहा के साथ रहता है।

पति के व्यवहार से परेशान होकर पहली पत्नी ने सोमवार को पुलिस चौकी में शिकायत की। अशरा का कहना था कि दूसरी शादी के बाद से पति नजाकत का व्यवहार बदल गया है। वह नेहा के साथ ही रहता है और उसे भरण-पोषण के लिए खर्च भी नहीं देता है। दो बेटियों को पालना उसके लिए मुश्किल हो रहा है।

पृष्ठ 01 का शेष...

पीएम आवास पर ...

इस क्षेत्र में सेक्शन 163 BNSS लागू रहती है, जिसके तहत 5 या उससे अधिक लोगों के एक साथ इकट्ठा होने या मार्च निकालने पर पाबंदी होती है। प्रधानमंत्री आवास की सुरक्षा में विशेष सुरक्षा समूह (SPG) तैनात रहता है। साथ ही दिल्ली पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स भी तैनात रहती है।

खड़गे ने जन्मदिन न मनाने का ऐलान किया: मंगलवार को सुबह से ही PM मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जैसे बड़े नेताओं ने सोशल मीडिया पर खड़गे को जन्मदिन की बधाई दी। लेकिन इसके तुरंत बाद खड़गे ने ऐलान किया कि वे छात्र प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में जन्मदिन नहीं मनाएंगे।

बधाई देने के बहाने सीक्रेट मीटिंग: दोपहर में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत कई बड़े कांग्रेस नेता खड़गे के सरकारी आवास पहुंचे। सुरक्षा एजेंसियों और मीडिया को यही लगा कि नेता केवल खड़गे को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए जुटे हैं।

सरप्राइज मार्च की शुरुआत: खड़गे के आवास से प्रधानमंत्री आवास की दूरी महज 1 किलोमीटर है। बैठक खत्म होते ही सभी नेता गाड़ियों में बैठने के बजाय अचानक पैदल ही मार्च करते हुए सड़क पर निकल पड़े। दूरी कम होने के कारण जब तक दिल्ली पुलिस और सुरक्षा बल (RAF) एक्टिव होते और बैरिकेड्स लगाते, तब तक कांग्रेस नेता PM आवास के पास तक पहुंच चुके थे।

छात्रों पर लाठीचार्ज ...

उनका आरोप था कि सरकार ने निजी लोगों के जरिए छात्रों पर लाठियां चलवाईं, जिसकी तुलना उन्होंने हिटलर की कार्यशैली से की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में ऐसी तानाशाही स्वीकार नहीं की जाएगी और इसके खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा।

सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने में विफल रही है और लगातार प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि NEET परीक्षा दोबारा कराए जाने से यह साबित हुआ कि पेपर लीक हुआ था। उनका आरोप था कि उत्तर प्रदेश में भी 20 से अधिक भर्ती और प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हो चुके हैं, लेकिन दोषियों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

उन्होंने कहा कि जब छात्र और युवा पेपर लीक के खिलाफ आवाज उठाते हैं तो सरकार उन्हें प्रताड़ित करती है। उनके अनुसार, यह देश को विश्व गुरु बनाने का रास्ता नहीं है, बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

राम-मंदिर चढ़ावा...

अदालत अब 27 जुलाई को अगली सुनवाई करेगी।

जबकि सोमवार शाम सीएम योगी ने नई SIT बनाने की मंजूरी दे दी है। नई SIT में लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत और विशेष सचिव नीलरतन कुमार नहीं होंगे। उनकी जगह एक DIG और एक SSP स्तर के IPS अधिकारी को शामिल किया जाएगा। SIT पहले से दर्ज FIR पर मामले की जांच करेगी। 30 जुलाई तक SIT अपनी रिपोर्ट देगी।

चढ़ावा चोरी मामले में ट्रस्टी कृष्ण मोहन ने 25 जून को FIR दर्ज कराई थी। पुलिस ने उसी दिन रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू, सुभाष चंद्र श्रीवास्तव, मनीष यादव, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय और रमाशंकर मिश्रा को गिरफ्तार किया था। वर्तमान में सभी फैजाबाद जेल में हैं। इन सभी पर चढ़ावा गिनती करते वक्त नोटों और गहनों की चोरी का आरोप है।

उधर, SIT ने ट्रस्टी अनिल मिश्रा को चढ़ावा चोरी के लिए जिम्मेदार माना है। आरोप है कि उन्होंने चढ़ावा गिनती की प्रक्रिया में लापरवाही बरती। तय गाइड-लाइन का पालन नहीं किया। ट्रस्ट के महासचिव रहे चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। उनका इस्तीफा स्वीकार भी हो चुका है।

'सारे चोर भाजपा में...

ममता ने एक बार फिर से विपक्षी एकता की मांग भी दोहराई। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के सभी दलों को आपसी मतभेद भुलाकर भाजपा का मुकाबला करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं सभी से अपील करती हूं कि भाजपा से मुकाबले के लिए एक हो जाएं। पूर्व सीएम ने कहा कि मुझे तो कोई अहंकार नहीं है। यदि किसी को है तो उसे भी त्याग देना चाहिए और भाजपा से मुकाबले के लिए एक हो जाना चाहिए।

उन्होंने असंतुष्टों से भाजपा के सहयोगी के रूप में काम करना बंद करने और इसके बजाय औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा- अगर आप भाजपा का समर्थन करना चाहते हैं, तो भाजपा में जाइए।

बातचीत खत्म, अब ...

CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा, 'हम संसद मार्च आज इसलिए नहीं निकाल रहे हैं, क्योंकि इस सरकार और पुलिस ने छात्रों का खून बहाया है। इन्हें छात्रों की कोई परवाह नहीं है, लेकिन हमें है।' सोनम वांगचुक 24वें दिन भी अनशन पर हैं। सोमवार को उन्होंने कहा था- पुलिस की बर्बरता देखने के बाद अपना अनशन जारी रखूंगा।

मंगलवार सुबह 8 बजे तक 186 घायलों को RML इमरजेंसी में लाया गया। उनमें से 89 पुलिसकर्मी थे। 96 को प्लास्टर और टांके लगे। एक को छोड़कर बाकी सभी को छुट्टी दे दी गई।

NDA संसदीय दल की बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि पेपर लीक मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए। दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी

योगी सरकार का ...

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में अग्निशमन तथा आपात सेवा के लिए दायरा बढ़ाया है. इस संबंध में कैबिनेट ने विभाग के लिए कुल 44 वाटर टेंडरों और 5 फोम टेंडरों के निर्माण और खरीद के लिए 25 करोड़ 78 लाख 85 हजार रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी. वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा आग को बुझाने के लिए जहां अग्निशमन की गाड़ियां नहीं पहुंच पाती है, वहां के लिए यह छोटे-छोटे वाटर टेंडरों की व्यवस्था की जा रही है. खासतौर से इस योजना का उद्देश्य आग लगने की घटनाओं पर त्वरित नियंत्रण पाना है.

वहीं आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे को फर्रुखाबाद के रास्ते गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए 90.84 किलोमीटर लंबे छह लेन (आठ लेन विस्तारणीय) ग्रीनफील्ड लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण 7,488.74 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। इस तरह कुल मिलाकर कैबिनेट ने 12,264 करोड़ रुपये से अधिक की दो लिंक परियोजनाओं को हरी झंडी दे दी है।

आग लगने की ...

इतना ही नहीं कैबिनेट के निर्णय की जानकारी देते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अग्निशमन एवं आपात सेवा एक अत्यंत महत्वपूर्ण आपातकालीन सेवा है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण, शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों में आग लगने की घटनाओं पर त्वरित और प्रभावी ढंग से नियंत्रण पाना है.

सिक्किम की...

इसके बाद एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, जिला पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं।

सुरंग में पटेल इंजीनियरिंग के 21 और एनएचपीसी के 6 समेत कुल 27 मजदूर फंसे होने की आशंका है। पश्चिम बंगाल से भी गैस-रोधी उपकरणों के साथ एक स्पेशल रेस्क्यू टीम लाई गई है। एंबुलेंस को तैयार रखा गया है। बचाव दल गैस मास्क पहनकर मजदूरों तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है। यह टनल तीस्ता स्टेज-6 हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट के लिए पटेल इंजीनियरिंग कंपनी बना रही थी।

आईपीएल क्रिकेटर अभिषेक पोरेल पर रेप का आरोप

कोलकाता हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी के आदेश दिए, डिवाइस जब्त करने को कहा

आरोप

- अब तक पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी
- क्रिकेटर ने आरोपों को झूठा बताया था

नई दिल्ली, एजेंसी

कोलकाता हाईकोर्ट ने रेप मामले में IPL क्रिकेटर अभिषेक पोरेल की गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने पुलिस को अभिषेक के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त करने का आदेश दिया है, ताकि कथित निजी फोटो और वीडियो शेयर ना किए जा सकें।

बंगाल के क्रिकेटर अभिषेक पोरेल पर एक महिला ने शादी का वादा कर संबंध बनाने और दोनों के निजी पलों की रिकॉर्डिंग करने के आरोप लगाए हैं। क्रिकेटर पर धमकियां देने के भी आरोप हैं। 23 साल के अभिषेक विकेटकीपर बैटर हैं। वे बंगाल के लिए 116 और आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए 35 मैच खेल चुके हैं। दिल्ली ने उन्हें 4 करोड़ रुपए में रीटेन किया था।

हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस पहले से आरोपियों को पकड़ने का प्रयास कर रही है, लेकिन अब तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। अदालत ने पुलिस को आरोपियों की गिरफ्तारी और डिजिटल सबूतों को सुरक्षित करने के लिए कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए हैं। क्रिकेटर अभिषेक पोरेल इन आरोपों को खारिज कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि अगर उनके खिलाफ कोई शिकायत दर्ज की गई है, तो आरोप पूरी तरह से झूठे हैं। यह मामला मोगरा पुलिस स्टेशन में 23 जून 2026 को दर्ज किया गया था।

> अदालत ने कहा-जांच के दौरान एक पेन ड्राइव जब्त की गई है, जिसमें अहम डिजिटल सामग्री होने की आशंका है। ऐसे में आरोपी की गिरफ्तारी और उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जब्ती आवश्यक है, ताकि कथित आपत्तिजनक डेटा को आगे शेयर होने से रोका जा सके।

पीड़िता का आरोप- फ्लैट पर संबंध बनाए, अब धमकी दे रहा

शिकायत के अनुसार अभिषेक पोरेल की महिला से जनवरी 2023 में पहचान हुई थी। महिला का आरोप है कि पोरेल उसे मंकुंडू स्थित अपने फ्लैट में ले गया और शादी का भरोसा देकर संबंध बनाए। बाद में उसे पता चला कि आरोपी के अन्य महिलाओं के साथ भी संबंध थे।

महिला ने यह भी आरोप लगाया कि अभिषेक ने उसे अवैध रूप से रोके रखा, खाना नहीं दिया और अलग-थलग रखा गया। दो अप्रैल 2026 को दिल्ली में हुई कथित घटना के बाद उसकी शारीरिक स्थिति बिगड़ गई थी और उसे तत्काल इलाज कराना पड़ा। महिला ने फोन और सोशल मीडिया के जरिए धमकी मिलने का भी आरोप लगाया है।

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित की

कमिंस, हैजलवुड और नाथन लियोन की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ अगस्त में होने वाली 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 13 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है। कप्तान पैट कमिंस, तेज गेंदबाज जोश हैजलवुड और अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन की वापसी हुई है। तीनों चोट के कारण हालिया मैचों से बाहर थे।

कमिंस पीठ की चोट से उबरने के बाद एशेज में सिर्फ एक टेस्ट खेल पाए थे। हैजलवुड एड़ी और हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पूरी सीरीज से दौरे से बाहर रहे थे। लियोन को एडिलेड टेस्ट में हैमस्ट्रिंग चोट के बाद सर्जरी करानी पड़ी थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने X पोस्ट के जरिए टीम जारी की

ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट 13-17 अगस्त तक डार्विन और दूसरा 22-26 अगस्त तक मैके में खेला जाएगा।

फिलहाल, ऑस्ट्रेलिया आठ मैचों में सात जीत के साथ 87.50% अंक लेकर WTC तालिका में टॉप पर है।

सीनियर बॉलर्स की वापसी के साथ माइकल नेसर और ब्रेंडन डॉगेट को टीम से बाहर कर दिया गया है। सिलेक्टर्स ने कहा कि जरूरत पड़ने पर एक्स्ट्रा प्लेयर्स को टीम से जोड़ा जा सकता है।

ओपनर उस्मान ख्वाजा के रिटायर होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने टॉप ऑर्डर में कोई बदलाव नहीं किया। ट्रैविस हेड ओपनिंग करेंगे और जेक वेदराल्ड को एक और मौका मिला है। खराब फॉर्म के बावजूद मार्नस लाबुशेन टीम में बरकरार हैं।

वर्ल्डकप फाइनल में प्लेयर्स की झड़प की जांच करेगा फीफा

दोषियों पर 3 मैच का प्रतिबंध संभव, स्पेन-अर्जेंटीना के खिलाड़ी भिड़े थे

नई दिल्ली, एजेंसी

फीफा ने फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल के बाद खिलाड़ियों की झड़प की जांच शुरू कर दी है। इसमें दोषी पाए जाने वाले खिलाड़ियों पर कम से कम तीन मैचों का प्रतिबंध लग सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डिसिप्लिन कमेटी ने डिसिप्लिनरी एंड एथिक्स प्रॉसीक्यूटर नियुक्त किया है, जो संभावित नियम उल्लंघन की जांच करेगा।

न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। इसके बाद स्पेन के जश्न के दौरान अर्जेंटीना के लिएंड्रो परेडेस और थियागो अल्माडा, स्पेन के मिडफील्डर गावी से भिड़ गए।

परेडेस पर एरिक गार्सिया की गर्दन पकड़ने का आरोप है। वहीं,

नाहुएल मोलिना पर रोड्री की ओर मुक्का चलाने की कोशिश का आरोप है।

इस दौरान निकोलस ओटामेंडी और रोड्री के बीच तीखी बहस हुई। अर्जेंटीना के सहायक कोच रॉबर्टो अयाला और दानी ओल्मो के बीच भी विवाद हुआ।

FIFA अनुशासन संहिता के अनुच्छेद-14 के तहत हिंसक आचरण साबित होने पर खिलाड़ियों को न्यूनतम तीन आधिकारिक मैचों के लिए निलंबित किया जा सकता है। इसके अलावा जुर्माना और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (AFA) के खिलाफ कार्रवाई भी संभव है।

सिंधु ने कमबैक का क्रेडिट विराट को दिया

लिखा- वे मिले और कुछ समझाया, इससे नजरिया बदला, सिंधु ने 2 साल बाद टूर्नामेंट जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

2 बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने अपनी दमदार वापसी का क्रेडिट भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली को दिया है। उन्होंने 2 दिन पहले शनिवार को जापान ओपन सुपर-750 का खिताब जीता। सिंधु ने करीब 2 साल बाद कोई खिताब जीता था। इससे पहले वे करियर के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रही थीं।

31 साल की पीवी सिंधु ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने कमबैक में कोहली की भूमिका का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि करियर के सबसे मुश्किल दौर में उन्होंने विराट से सलाह ली थी और उनकी एक सीख ने पूरी सोच बदल दी। सिंधु ने लिखा- मैंने लगातार चोटों, खराब प्रदर्शन और मानसिक दबाव के बीच विराट कोहली से संपर्क किया। कोहली ने कुछ ही मिनटों में जवाब दिया और अगले दिन उनसे

मुलाकात की। इस दौरान उनके पति वेंकट दत्ता साई भी मौजूद थे। सिंधु ने कहा- 'चोट के दौरान कई बार आत्मविश्वास डगमगाया, लेकिन मैंने खुद पर भरोसा नहीं खोया। जापान ओपन का यह खिताब केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि इस बात का सबूत है कि मेरा सफर अभी खत्म नहीं हुआ है।' सिंधु ने कहा कि उस मुलाकात में हुई बातचीत निजी रहेगी, लेकिन विराट की सबसे बड़ी सीख थी कि

> पेरिस ओलिंपिक के बाद डेटा एनालिटिक्स की मदद से सिंधु के खेल का विश्लेषण किया। सात ट्रैकिंग डिवाइस के जरिए फिटनेस, हार्ट रेट, नींद, रिकवरी और ट्रेनिंग लोड की लगातार निगरानी की गई। लगभग 3.5 किलो वजन कम कराया गया, जबकि मसल्स बरकरार रखी गईं।

ट्रॉफी के पीछे भागने के बजाय खेल में दोबारा खुशी तलाशनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब वह सुबह 5:30 बजे अभ्यास के लिए ट्रॉफी जीतने नहीं, बल्कि खेल के प्रति अपने जुनून की वजह से उठती हैं। इस मानसिक बदलाव के साथ सिंधु ने अपने खेल में कई सुधार किए। उन्होंने करीब 3.5 किलो वजन कम किया, नेट गेम को मजबूत बनाया, डेटा आधारित ट्रेनिंग अपनाई और इंडोनेशियाई कोच इरवांशाह व स्ट्रेंथ ट्रेनर वेन लोम्बार्ड के साथ फिटनेस पर विशेष काम किया।

कोच इरवांशाह; गेम के कई पहलुओं में सुधार किया

कोच इरवांशाह ने उनके नेट गेम, धैर्य और अटैकिंग पैटर्न पर काम किया। टीम ने अनफोर्स्ड एरर कम करने और लंबे समय तक उच्च स्तर पर खेलने की क्षमता विकसित करने पर फोकस किया। इन बदलाव का असर सिंधु के खेल में देखने को मिला। उन्होंने यामागुची को महज 50 मिनट में सीधे गेम में हरा दिया। उन्होंने सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-4 चीनी खिलाड़ी चेन यूफेई को हराया।

मनोरंजन

बाथटब में दिखा तारा सुतारिया और यशका रोमांस

बाथटब में दिखा तारा सुतारिया और यशका रोमांस, आग लगाने के तैयार टॉक्सिक का नया गाना

नई दिल्ली। अभिनेता यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिक (Toxic) को लेकर लंबे समय से चर्चाओं का बाजार गर्म है। निर्देशक गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बनने वाली इस मूवी को लेकर आए दिन कोई न कोई नया अपडेट सामने आ रहा है। अब मेकर्स की तरफ से टॉक्सिक का नया गाना मदहोश (Madhosh) रिलीज कर दिया गया है। जिसमें यश और बॉलीवुड अभिनेत्री तारा सुतारिया (Tara Sutaria) के बीच रोमांस देखने को मिला। खास बात ये है कि ये रोमांस बाथटब में हो रहा है। जैसे ही मेकर्स ने टॉक्सिक की नई रिलीज डेट का एलान किया गया है, ठीक उसके बाद से अक्सर कुछ न कुछ लेटेस्ट अपेडेट्स जैसे- टीजर या गाना रिलीज किया जा रहा है। पहले टॉक्सिक का फर्स्ट सॉन्ग तबाही रिलीज किया गया था, जिसमें यश (Yash) अभिनेत्री कियारा आडवाणी संग रोमांटिक होते दिखे थे और अब टॉक्सिक का दूसरा गाना मदहोश रिलीज कर दिया गया है। जिसकी जानकारी मेकर्स ने सोमवार को दे दी थी। मंगलवार को टॉक्सिक फिल्म के ऑफिशियल एक्स हैंडल फिल्म मदहोश सॉन्ग को रिलीज किए जाने की जानकारी दी गई है।

कब रिलीज होगी टॉक्सिक

कई रिलीज डेट बदलने के बाद कुछ दिन पहले टॉक्सिक के मेकर्स द्वारा मूवी की नई रिलीज डेट का एलान किया गया है। जिसके आधार पर 28 अगस्त 2026 को ये गैंगस्टर ड्रामा मूवी दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। बता दें कि केजीएफ चैप्टर 2 की रिलीज के 4 साल बाद यश टॉक्सिक के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे।

> गाने में सबसे अधिक ध्यान यश और तारा की रोमांटिक केमिस्ट्री ने खींचा है। इसके अलावा इस गीत में अभिनेत्री तारा सुतारिया और कियारा आडवाणी की भी झलक देखने को मिलेगी।

इमरान हाशमी वाले मौसम में आ गया अरिजीत सिंह का दर्द भरा गाना

नई दिल्ली। फिल्म आवारापन 2 (Awarapan 2) को लेकर इस वक्त सिनेप्रेमियों में जबरदस्त हाइप देखने को मिल रहा है। अभिनेता इमरान हाशमी की इस मूवी का फैंस बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म को लेकर मेकर्स काफी तैयारियां कर रहे हैं और इस आधार पर अब आवारापन 2 का एक और नया गाना रिलीज कर दिया गया है। जिसे गायक अरिजीत सिंह ने गाया है। सैड सॉन्ग के आधार पर अरिजीत का ये गीत यकीनन तौर पर आशिकों का एंथम बनने के लिए बनने के लिए तैयार है। आइए एक नजर आवारापन 2 के इस नए गाने पर डालते हैं-

सोवामर को मेकर्स की तरफ से ये आधिकारिक एलान किया गया था कि 21 जुलाई सुबह 11 बजकर 11 मिनट पर आवारापन 2 का दूसरा गाना ये आवारापन... (Yeh Awarapan) रिलीज किया गया है। ये सॉन्ग इमरान हाशमी स्टारर फिल्म आवारापन 2 का टाइटल ट्रैक है, जिसे मशहूर गायक अरिजीत सिंह (Arijit Singh) ने गाया है।

इस गाने को सुनने के बाद ये महसूस होगा कि 2007 वाली आवारापन की तरह इसके सीक्वल में भी शानदार गीतों की कमी नहीं रहेगी। कमाल की बात ये है कि इस साल की शुरुआत में गायिकी से संन्यास लेने वाले अरिजीत सिंह ने आवारापन 2 के लिए एक बार फिर से प्लेबैक सिंगिंग की दुनिया में एक तरह से वापसी कर दी है। अब उनका ये लेटेस्ट सॉन्ग यकीनन तौर पर शोबिज की दुनिया में धमाल मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अरिजीत सिंह की गायिकी के अलावा आवारापन 2 के ये आवारापन गाने को संगीतकार अमाल मलिक ने अपनी धुनों से तैयार किया है, जबकि गीतकार रश्मि विराग ने इसके खूबसूरत लिरिक्स लिखे हैं। माना जा रहा है कि अब इमरान हाशमी (Emraan Hashmi) का ये दर्द भरा गीत सोशल मीडिया भी जमकर ट्रेंड होगा।

जॉन अब्राहम ने खरीदा नया बंगला इतने करोड़ की लगी स्टाम्प ड्यूटी

84 करोड़ में जॉन अब्राहम ने खरीदा नया घर

नई दिल्ली। बॉलीवुड के फेमस एक्टर जॉन अब्राहम का नाम इस वक्त किसी नई फिल्म को लेकर नहीं बल्कि रियल स्टेट के मामले को लेकर चर्चा में बना हुआ है। खबर है कि जॉन ने मुंबई के एक रिहाइशी इलाके में 84 करोड़ रुपये खर्च करके आलीशान बंगला खरीदा है।

इस नई प्रोपर्टी को लेकर जॉन अब्राहम सिनेमाई गलियारे में छाए हुए हैं। आइए जानते हैं कि जॉन अब्राहम का ये नया आशीयाना कहां मौजूद है और उनके इस घर की बाकी डिटेल्स क्या है।

जॉन अब्राहम ने खरीदा नया घर

सिनेमा जगत के सितारों द्वारा नया घर खरीदना और रियल स्टेट में इंवेस्ट करने का मामला नया है। अक्सर खबरें आती रहती हैं कि सेलेब्स घर खरीदने, बेचने या लीज

प्रॉपर्टी का काम करते रहते हैं। अब इस मामले में अभिनेता जॉन अब्राहम का नाम शामिल हो रहा है, जो 84 करोड़ की मोटी कीमत में खरीदे गए नए बंगले को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। उनकी ये प्रॉपर्टी 1,017.60 वर्ग मीटर के प्लॉट पर बनी है। इसमें लगभग 193.12 वर्ग मीटर के बिल्ट-अप एरिया वाला एक बंगला और लगभग 31.50 वर्ग मीटर का एक आउटहाउस शामिल है।

> दरअसल लियासेस फोर्स को हाल ही में जॉन अब्राहम द्वारा खरीदी गई नई संपत्ति के प्रॉपर्टी-रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट्स की जानकारी मिली है। जिसके आधार पर पठान फिल्म एक्टर जॉन ने मुंबई के पॉश इलाके बांद्रा वेस्ट में सेंट मार्टिन रोड पर पर नया घर खरीदा है, जो मुंबई के सबसे पॉश रिहायशी इलाकों में से एक माना जाता है।

अमेरिका ने माना सुरक्षा को देखते हुए देर से जानकारी दी, अमेरिका का 9 ईरानी शहरों पर हमला

'ईरानी हमलों में 100 सैनिक घायल'

दावा

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

अमेरिका ने मान लिया है कि ईरान के जवाबी हमलों में उसके करीब 100 सैनिक घायल हुए हैं। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये सैनिक 7 जुलाई के बाद हुए हमलों में घायल हुए। इनमें से 96% सैनिक ठीक होकर ड्यूटी पर लौट चुके हैं। उन्होंने बताया कि ज्यादातर को हल्की सिर की चोट (कनकशन) लगी थी।

पार्नेल ने यह बयान न्यूयॉर्क टाइम्स की उस रिपोर्ट के जवाब में दिया, जिसमें दावा किया गया था कि रक्षा मंत्रालय ईरान के साथ युद्ध में घायल हुए अमेरिकी सैनिकों की जानकारी सार्वजनिक नहीं कर रहा है। पार्नेल ने कहा कि इसमें जानबूझकर देरी हुई। ऐसा सैनिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया गया।

उधर अमेरिका और ईरान के बीच लगातार हमले जारी हैं। ईरान ने सोमवार को उन देशों को निशाना बनाया, जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। इसके जवाब में अमेरिका ने मंगलवार सुबह ईरान के 9 शहरों पर हवाई हमले किए।

ईरान की लेबर न्यूज एजेंसी के मुताबिक अबदानान, बंदर अब्बास, बंदर लेंगेह, बुशेहर, चाबहार, केश्म द्वीप, सीरिक, शीराज और कोनारक को निशाना बनाया गया। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान युद्ध के कारण आपूर्ति प्रभावित होने से पाकिस्तान और बांग्लादेश को कई वर्षों में सबसे महंगी LNG खरीदनी पड़ी है।

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की सरकारी कंपनी पाकिस्तान LNG ने सोमवार को जुलाई के आखिर में एक LNG खेप करीब 21.88 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (MMBtu) की कीमत पर खरीदी। ट्रेडर्स के मुताबिक, यह 2022 के बाद सबसे ऊंची कीमत है। वहीं, बांग्लादेश की सरकारी गैस खरीद एजेंसी ने पिछले सप्ताह अगस्त में डिलीवरी के लिए कम से कम एक LNG खेप ऊंची कीमत पर खरीदी।

ईरान में पेट्रोल महंगा करने पर विचार

ईरान की संसद के सदस्य मोहम्मद बहशी गाजी ने कहा है कि सरकार पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। उनके मुताबिक, सरकार का मानना है कि मौजूदा सब्सिडी व्यवस्था लंबे समय तक नहीं चल सकती, क्योंकि जंग की वजह से सरकारी आय पर बहुत ज्यादा दबाव बढ़ गया है।

गाजी ने कहा कि ईंधन की कीमतों पर अंतिम फैसला अभी नहीं हुआ है और इस मुद्दे पर संसद तथा सरकार के बीच बातचीत जारी है। ईरान में पेट्रोल की कीमतें भारतीय रुपए के हिसाब से 1 रुपए प्रति लीटर के करीब है। यह दुनिया के सबसे सस्ता है, क्योंकि सरकार उस पर भारी सब्सिडी देती है।

हालांकि, ईरान में पेट्रोल की कीमत बढ़ाना राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील मुद्दा माना जाता है। 2019 में पेट्रोल की कीमत बढ़ाए जाने के बाद देशभर में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन और हिंसा हुई थी, जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हुई थी। इसी वजह से मौजूदा सरकार भी इस मुद्दे पर सावधानी बरत रही है।

इजराइल के वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच ने कहा है कि फिलहाल इजराइल की ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध में सीधे शामिल होने की कोई इच्छा नहीं है।

मध्य इजराइल के याद बिन्यामिन में आयोजित एक सम्मेलन में स्मोट्रिच ने कहा, "इस समय इजराइल की इस अभियान में शामिल होने में कोई दिलचस्पी नहीं है।"

इजराइली मीडिया के मुताबिक, उन्होंने कहा, "मौजूदा स्थिति हमारे लिए अच्छी है और हमें खुद इसमें शामिल होने की कोई जरूरत नहीं दिखती। हालांकि, हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।"

ईरान युद्ध के बीच पाकिस्तान और बांग्लादेश को एलएनजी महंगी पड़ी

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान युद्ध के कारण आपूर्ति प्रभावित होने से पाकिस्तान और बांग्लादेश को कई वर्षों में सबसे महंगी LNG खरीदनी पड़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की सरकारी कंपनी पाकिस्तान LNG ने सोमवार को जुलाई के आखिर में एक LNG खेप करीब 21.88 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (MMBtu) की कीमत पर खरीदी। ट्रेडर्स के मुताबिक, यह 2022 के बाद सबसे ऊंची कीमत है।

वहीं, बांग्लादेश की सरकारी गैस खरीद एजेंसी ने पिछले सप्ताह अगस्त में डिलीवरी के लिए कम से कम एक LNG खेप ऊंची कीमत पर खरीदी।

ब्लूमबर्ग के अनुसार, एलएनजी की बढ़ती कीमतों से दोनों देशों के सरकारी खजाने पर दबाव बढ़ रहा है। इसके चलते पाकिस्तान और बांग्लादेश अब अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए LNG पर निर्भरता कम करने के विकल्पों पर भी विचार कर रहे हैं।

फास्ट न्यूज

कतर से गिफ्ट में मिले ट्रंप के एयर फोर्स वन विमान की थमी उड़ान

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि कतर द्वारा गिफ्ट किया गया बोइंग लग्जरी जेट को जल्द ही मैक्स आउट यानी पूरी तरह से अपग्रेड किया जाएगा। ट्रंप के इस बयान से यह संकेत मिलता है कि राष्ट्रपति की यात्रा के लिए इस्तेमाल होने वाले पुराने विमानों के मानकों की बराबरी करने के लिए, इस नए विमान में अतिरिक्त रक्षा क्षमताएं जोड़ी जा सकती हैं।

सिंगापुर में 1.5 करोड़ के असली हीरे से बदलकर मुंह में छिपाया

सिंगापुर। सिंगापुर के चाइनाटाउन में एक स्टोर से लगभग 1.5 करोड़ रुपये की कीमत का हीरा चुराने की योजना बनाकर वहां गए दो भारतीय नागरिकों में से पहले व्यक्ति को जेल की सजा सुनाई गई है और दूसरे व्यक्ति की सुनवाई शुक्रवार को तय की गई है। 41 साल के मंगरोलिया मनोजकुमार कुर्जीभाई को शुक्रवार (17 जुलाई) को चोरी के एक मामले में अपना अपराध स्वीकार करने के बाद दो साल, दो महीने और दो हफ्ते की जेल की सजा सुनाई गई। उसके कथित साथी 30 वर्षीय सेरासिया मिलान रामनिकभाई के खिलाफ मामले की सुनवाई शुक्रवार को होनी है।

मिडिल ईस्ट में महासंकट

तेहरान। मिडिल ईस्ट में भीषण युद्ध शुरू हो गया है। अमेरिका ने ईरान के ठिकानों पर हमला किया है तो ईरान ने भी जबरदस्त पलटवार किया है। ईरान ने कुवैत में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर मिसाइलें दागीं। वहीं, राष्ट्रपति पेजेशकियन का घोषणा की है कि तेहरान की अमेरिका के साथ जंग शुरू हो चुकी है। ईरानी सेना ने मंगलवार तड़के कुवैत स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे को मिसाइलों से निशाना बनाया।

शेयर बाजार के निवेशकों को एलटीसीजी टैक्स पर राहत नहीं

सरकार बोली- इसे हटाने का प्रस्ताव नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने आज यानी 20 जुलाई को साफ कर दिया है कि घरेलू और रिटेल निवेशकों के लिए इक्विटी ट्रांजैक्शन पर लगने वाले लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन्स (LTCG) टैक्स को खत्म करने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है।

इस स्पष्टीकरण के साथ ही पिछले कुछ महीनों से बाजार के जानकारों और निवेशकों के बीच चल रही उस अटकलबाज़ी पर विराम लग गया है, जिसमें टैक्स हटाने की मांग की जा रही थी। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोक सभा में एक सवाल के लिखित उत्तर में यह स्पष्टीकरण दिया।

सदन में उनसे पूछा गया था कि सरकार रिटेल और डोमेस्टिक निवेशकों के लिए LTCG टैक्स को कब तक खत्म करेगी, ताकि मार्केट सेंटीमेंट को सुधारा जा सके, घरेलू निवेशकों के हितों की रक्षा हो सके और विदेशी व भारतीय निवेशकों के बीच एक समान अवसर सुनिश्चित किया जा सके। इस पर वित्त राज्य मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि फिलहाल ऐसा कोई भी प्रस्ताव नहीं है। वित्त राज्य मंत्री ने अपने जवाब में यह भी बताया कि कैपिटल गेन्स टैक्स रेट सहित सभी टैक्स नीतियों की बजट प्रक्रिया के दौरान समय-समय पर समीक्षा की जाती है। सरकार अर्थव्यवस्था की पूरी स्थिति को देखकर ही टैक्स दरों में बदलाव का फैसला करती है।

इक्विटी ट्रांजैक्शन पर LTCG टैक्स से सरकार की कमाई में बढ़ोतरी हुई है।

यूक्रेन में शिप पर हमला, 4 भारतीयों की मौत

भारत ने कहा- कारोबारी जहाजों को निशाना बनाना गलत, यूक्रेन बोला- रूसी मिसाइलों से हमला हुआ

कीव, एजेंसी

यूक्रेन के ओडेसा पोर्ट से रवाना हुए कार्गो जहाज 'MV गोल्डन लियो' पर रविवार को हुए हमले में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। एक भारतीय गंभीर रूप से घायल है। अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। इस बीच भारत सरकार ने रूस के राजदूत को तलब किया है। समाचार एजेंसी PTI ने सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी। इससे पहले भारत सरकार ने सोमवार को हमले की कड़ी निंदा की थी और कहा कि कारोबारी जहाजों और बेगुनाह नागरिकों को निशाना बनाना पूरी तरह गलत है। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारतीय दूतावास लगातार यूक्रेनी अधिकारियों के संपर्क में है और प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद की जा रही है। उधर, यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक गोल्डन लियो जहाज ओडेसा से मक्का लेकर रवाना हुआ था। पोर्ट से निकलने के कुछ देर बाद उस पर तीन रूसी क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया।

“ वहीं, यूक्रेन के समुद्री बंदरगाह प्राधिकरण के मुताबिक घटना के बाद पूरी रात सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। हमले में नौ क्रू मेंबर और एक समुद्री पायलट की मौत हुई, जबकि 17 में से आठ क्रू मेंबर को सुरक्षित बचा लिया गया।

जहाज पर कुल 17 क्रू मेंबर सवार थे, जिनमें 5 भारतीय

विदेश मंत्रालय (MEA) के मुताबिक, 19 जुलाई की शाम अफ्रीकी देश गिनी-बिसाऊ के झंडे वाले इस जहाज पर हमला हुआ। उस समय जहाज पर कुल 17 क्रू मेंबर थे, जिनमें पांच भारतीय शामिल थे। विदेश मंत्रालय ने मारे गए भारतीयों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई और घायल भारतीय के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा,भारत ऐसे हमलों की निंदा करता है। कारोबारी जहाजों और निर्दोष नागरिक क्रू को निशाना बनाना या समुद्री व्यापार और नेविगेशन की आजादी में बाधा डालना निंदनीय है और इससे बचा जाना चाहिए।

ब्लैक सी में बढ़ता तनाव, कारोबार पर असर

यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब रूस और यूक्रेन के बीच ब्लैक सी और सी ऑफ एजोव में सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। इससे कारोबारी जहाजों और अनाज के निर्यात पर खतरा बढ़ गया है। 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद ब्लैक सी दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री इलाकों में शामिल हो गया। कुछ अंतरराष्ट्रीय समझौतों से अनाज का निर्यात फिर शुरू हुआ था, लेकिन हाल के महीनों में बढ़े हमलों से यह व्यवस्था फिर प्रभावित हुई है। यूक्रेन लगातार रूस के ऊर्जा ढांचे और तेल टैंकरों को निशाना बना रहा है। वहीं रूस ने यूक्रेन के बंदरगाहों, ईंधन भंडारण केंद्रों और कार्गो जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने भी दावा किया है कि उसकी सेना ने ओडेसा बंदरगाह पर ईंधन भंडारण केंद्रों पर हमला किया।

इसमें भारत के इलाकों को अपना दिखाया, नई डिजाइन का प्रस्ताव लौटाया

नेपाल में एक रुपए के सिक्के से विवादित-नक्शा नहीं हटेगा

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल सरकार ने एक रुपए के सिक्के से विवादित राष्ट्रीय नक्शा हटाने का प्रस्ताव खारिज कर दिया है। इस नक्शे में भारत के लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया है।

नेपाल राष्ट्र बैंक (NRB) ने पहले प्रस्ताव रखा था कि एक रुपए के सिक्के पर छपे नेपाल के विवादित नक्शे की जगह मुस्तांग के ऐतिहासिक मठ की तस्वीर लगाई जाए। इस नक्शे को सिक्के से हटाने की खबर जैसे ही बाहर आई, इसका विरोध होने लगा।

इसके बाद मंत्रालय ने नेपाल राष्ट्र बैंक को निर्देश दिया कि डिजाइन में बौद्ध मठ के साथ नेपाल का राष्ट्रीय नक्शा भी शामिल किया जाए। इसके बाद संशोधित प्रस्ताव दोबारा मंजूरी के लिए भेजा जाए। नेपाल राष्ट्र बैंक के एक अधिकारी ने कहा,नेपाल के कई नोटों और सिक्कों पर पहले से ही पशुपतिनाथ मंदिर और जानकी मंदिर जैसे हिंदू धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों की तस्वीरें हैं। यह महसूस किया गया कि बौद्ध विरासत को पर्याप्त जगह नहीं मिली है। इसलिए घर मठ को चुना गया क्योंकि इसका ऐतिहासिक महत्व बहुत बड़ा है। साथ ही इससे मुस्तांग में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। लो घेकर मठ नेपाल के अपर मुस्तांग में स्थित है। माना जाता है कि इसकी स्थापना आठवीं शताब्दी में गुरु पद्मसंभव (गुरु रिनपोछे) ने की थी। इतिहासकार इसे नेपाल के सबसे पुराने बौद्ध मठों में से एक ही नहीं, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के सबसे प्राचीन बौद्ध मठों में भी गिनते हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, यह प्रस्ताव मौजूदा सरकार बनने से पहले तैयार होना शुरू हो गया था। इसका मकसद नेपाल की मुद्रा पर देश की अलग-अलग सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों को जगह देना था।

1 रुपए को बनाने में 2 रुपए से ज्यादा खर्च

नेपाल राष्ट्र बैंक कैबिनेट के निर्देश के मुताबिक नया डिजाइन तैयार करेगा, जिसमें राष्ट्रीय नक्शा और लो घेकर मठ दोनों होंगे। सरकार की अंतिम मंजूरी मिलने के बाद ही नए सिक्के की ढलाई शुरू होगी। नेपाल राष्ट्र बैंक एक रुपए के सिक्के की धातु और वजन बदलने की तैयारी भी कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार, इस समय एक रुपए का एक सिक्का बनाने में दो रुपए से भी ज्यादा खर्च आता है। इसलिए इसका उत्पादन आर्थिक रूप से घाटे का सौदा बन गया है। नए डिजाइन में सिक्के का वजन भी कम किया जाएगा, जिससे निर्माण लागत घटेगी।

पाकिस्तान में पेट्रोल 35 पैसे सस्ता, डीजल 5.71 रुपया महंगा

पेट्रोल 315.80 और डीजल 360.06 रुपया लीटर मिल रहा

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तानी सरकार ने पेट्रोल के दाम में 35 पैसे प्रति लीटर की कटौती की है, जबकि हाई-स्पीड डीजल (HSD) की कीमत 5.71 रुपया लीटर बढ़ा दी है। नई दरें 21 जुलाई से लागू हो गई हैं।

दामों में इस बदलाव के बाद अब बाजार में पेट्रोल की नई कीमत 315.80 रुपया लीटर और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 360.06 रुपया प्रति लीटर हो गई है।

ईंधन की मौजूदा कीमतें इस साल अप्रैल में बने अपने ऑल-टाइम हाई से अब भी काफी नीचे हैं:

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमतों में आ रहे तेज उतार-चढ़ाव को देखते हुए सरकार ने बड़ा नीतिगत बदलाव किया है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने घोषणा की है कि अब देश में फ्यूल रेट्स हफ्ते के बजाय रोजाना आधार पर तय किए जाएंगे। सरकार के रोजाना रेट तय करने के फैसले का ऑल पाकिस्तान डीलर्स एसोसिएशन ने कड़ा विरोध किया है। एसोसिएशन ने इस व्यवस्था को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा है कि वे इस फैसले के खिलाफ इसी हफ्ते विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं।

पेट्रोल की कीमतों में बदलाव का सीधा असर देश के मिडिल और लोअर-मिडिल क्लास पर पड़ता है, क्योंकि इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से प्राइवेट गाड़ियों, छोटी कारों, ऑटो रिक्शा और टू-व्हीलर्स में होता है। वहीं, डीजल महंगा होने से पूरे देश में महंगाई बढ़ने का खतरा है, क्योंकि इसका इस्तेमाल भारी कमर्शियल वाहनों (ट्रकों-बसों), पावर प्लांट्स और बड़े जनरेटरों में होता है।

पाकिस्तान में हर महीने करीब 7 से 8 लाख टन पेट्रोल और डीजल की भारी-भरकम बिक्री होती है, जबकि केरोसिन (मिट्टी के तेल) की मासिक मांग सिर्फ 10 हजार टन ही है। यही वजह है कि पेट्रोल-डीजल सरकार के लिए रेवेन्यू जुटाने का सबसे बड़ा जरिया बने हुए हैं।

उतार-चढ़ाव : बोनस शेयर का प्लान टला पहली तिमाही में मुनाफा 79% बढ़कर 220 करोड़ रहा

पेटीएम का शेयर दिन के ऊपरी स्तर से 5% फिसला

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे आने के बाद पेटीएम के शेयरों में आज मंगलवार 21 जुलाई को उतार-चढ़ाव है। बाजार खुलते ही शेयर में 2.5% से ज्यादा की तेजी आई, लेकिन थोड़ी ही देर में यह दिन के ऊपरी स्तर से 5% तक टूट गया।

विजय शेखर शर्मा की अगुआई वाली इस फिनटेक कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा है। पहली तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 79% बढ़कर 220 करोड़ रुपए दर्ज किया गया है। लेकिन बोनस शेयर टलने की खबर से बिकवाली का दबाव बढ़ा है।

कंपनी के शेयर ने बीते 2 सालों में निवेशकों का पैसा लगभग तीन गुना किया है। हालांकि, मार्केट डेब्यू के करीब 5 साल बाद भी यह शेयर अपने आईपीओ प्राइस 2,150 से नीचे है। कंपनी के बोर्ड ने आईपीओ से मिली अनयूज्ड 1,686 करोड़ की बची हुई रकम के इस्तेमाल और उसकी समय-सीमा में बदलाव का प्रस्ताव भी पास किया है। बोर्ड ने इस रकम के उपयोग का समय बढ़ाकर 31 मार्च 2029 तक करने के लिए शेयरहोल्डर्स से मंजूरी लेने का फैसला किया है। कंपनी का कहना है कि इस फ्लेक्सिबिलिटी से उसे पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विसेज इकोसिस्टम को मजबूत करने और ग्रोथ के नए मौकों को हासिल करने में मदद मिलेगी।

जून तिमाही में रेवेन्यू 2,448 करोड़ रहा

30 जून 2026 को समाप्त हुई इस तिमाही में ऑपरेशन्स से पेटीएम का रेवेन्यू 28% बढ़कर 2,448 करोड़ पर पहुंच गया है, जो एक साल पहले इसी अवधि में 1,918 करोड़ था। वहीं कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट साल-दर-साल 79% बढ़कर 220 करोड़ रहा है। कंपनी को अपने पेमेंट बिजनेस, मर्चेंट सब्सक्रिप्शन और फाइनेंशियल सर्विसेज डिस्ट्रीब्यूशन में लगातार ग्रोथ से यह मुनाफा हासिल हुआ है। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में पेटीएम को 123 करोड़ का मुनाफा हुआ था। वहीं, मार्च तिमाही में 183 करोड़ का मुनाफा हुआ था।

“ पेटीएम के बोर्ड ने अपनी सब्सिडियरी कंपनी 'पेटीएम मनी' में राइट्स इश्यू के जरिए 100 करोड़ तक के निवेश को मंजूरी दी है। इस फंड का इस्तेमाल टेक्नोलॉजी में निवेश, रेगुलेटरी कैपिटल जरूरतों को पूरा करने और कंपनी के इन्वेस्टमेंट व वेल्थ मैनेजमेंट बिजनेस के विस्तार के लिए किया जाएगा।

संसद में सरकार बोली ई20 पेट्रोल से इंजन खराब नहीं

23 करोड़ गाड़ियां बिना परेशानी चल रहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में 20% एथेनॉल मिला पेट्रोल यानी E20 फ्यूल से गाड़ियों के इंजन खराब होने या उनके अचानक बंद होने की कोई पुख्ता रिपोर्ट नहीं है। सरकार ने आज यानी 20 जुलाई को राज्यसभा यानी संसद में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि देशभर में चल रहे 23 करोड़ से ज्यादा गाड़ियों के चलाने के अनुभवों और कई वैज्ञानिक अध्ययनों के आधार पर यह निष्कर्ष निकला है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि E20 फ्यूल से इंजन को नुकसान पहुंचने का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

राज्यसभा में मंत्री सुरेश गोपी ने कहा कि देश में 20 करोड़ से ज्यादा टू-व्हीलर्स और 3 करोड़ से अधिक पेट्रोल कारें वर्तमान में एथेनॉल मिश्रित ईंधन यानी पर चल रही हैं। इनमें एक बड़ी संख्या उन पुराने वाहनों की भी है, जिन्हें E20 सर्टिफिकेशन मिलने से पहले मैन्युफैक्चर किया गया था।

इन सभी गाड़ियों के डेटा और सर्विस रिकॉर्ड देखने के बाद भी इथेनॉल ब्लेंडिंग के कारण इंजन फेल होने या किसी बड़े व्हीकल ब्रेकडाउन की कोई पुख्ता पुष्टि नहीं हुई है। सरकार ने सदन में बताया कि देश को E20 फ्यूल की तरफ ले जाने का फैसला अचानक नहीं हुआ है। यह पूरी तरह से चरणबद्ध और वैज्ञानिक साक्ष्यों पर आधारित रहा है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96